www.sanjanabharati.com

दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित

facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 मोदी शासन: एक रुद्र बनाम रौद्र रूप, गर्व...

3 जिला में जल जीवन मिशन के तहत 100 प्रतिशत...

4 जगप्रीत सिंह कैप्टेन ने रचा इतिहास बने...

वर्ष: 9 | अंक: 227 | दिल्ली, बुधवार, 11 जून 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

आतंक ने धर्म चुना, भारत ने कर्म चुना: राजनाथ

देहरादून (एजेन्सी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को एक सशक्त संदेश में कहा कि 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकवादियों ने धर्म के आधार पर नागरिकों को निशाना बनाया, जबकि भारत ने आतंकवादियों को उनके कर्मों के आधार पर जवाब दिया। देहरादून में एक कार्यक्रम में राजनाथ सिंह ने कहा, "आतंकवादियों ने पहलगाम में लोगों को उनका धर्म पूछकर मारा; हमने उनका धर्म नहीं पूछा, बल्कि उनके कर्म देखकर जवाब दिया।" भारत की रक्षा रणनीति के बारे में बात करते हुए सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के "साहसिक और दूरदर्शी" नेतृत्व में भारत का रक्षा क्षेत्र उल्लेखनीय रूप से आयात-संचालित मॉडल से "विश्वसनीय वैश्विक निर्यातक" बन गया है। सिंह ने कहा, "हाल ही में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया ने इस बदलाव को देखा।" 22 अप्रैल को, पाकिस्तान से जुड़े पाए गए आतंकवादियों ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर गोलीबारी की, जिसके परिणामस्वरूप 26 लोग मारे गए, जिनमें से ज्यादातर पर्यटक थे।

कभी नहीं सोचा था पार्टी में दरार आएगी: शरद पवार

महाराष्ट्र (एजेन्सी)। एनसीपी (सपा) प्रमुख शरद पवार ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि 26 साल पहले उनके द्वारा सह-स्थापित राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में विभाजन होगा और उन्होंने चुनौतियों के बावजूद इसे आगे बढ़ाने के लिए अपने संगठन के कार्यकर्ताओं की सराहना की। पवार एनसीपी के 26वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में बोल रहे थे, जिसका विभाजन 2023 में होगा। उन्होंने कहा कि पार्टी को कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन आप बिना हतोत्साहित हुए पार्टी को आगे ले जाते रहे। पार्टी में विभाजन हुआ। हमने कभी नहीं सोचा था कि पार्टी में विभाजन होगा, लेकिन ऐसा हुआ। पवार ने कहा कि कुछ लोग दूसरी विचारधाराओं के साथ चले गए और यह विभाजन और बढ़ गया। मैं आज इस बारे में बात नहीं करना चाहता। लेकिन जो लोग पार्टी के प्रति वफादार रहे, वह हमारी पार्टी की विचारधारा के कारण था।

उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सुदृढ़ीकरण के लिए व्यापक कार्ययोजना तैयार

उत्तर प्रदेश (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश में प्रदूषण नियंत्रण एवं पर्यावरण संरक्षण को सशक्त बनाने के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) के ढांचे के विस्तार और सुदृढ़ीकरण की व्यापक योजना तैयार की गई है। एक आधिकारिक बयान में मंगलवार को यह जानकारी दी गई। बयान में कहा गया है कि यह कार्ययोजना उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में तैयार की गई है। यह प्रस्ताव शासन स्तर पर अनुमोदन के लिए प्रक्रियाधीन है, इसके लागू होने से राज्य में प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में क्रांतिकारी बदलाव की उम्मीद है। बयान के अनुसार, साथ ही यूपीपीसीबी की वित्तीय स्थिति को मजबूत करने के उद्देश्य से आवेदनों की शुल्क संरचना में भी बदलाव किया जाएगा। वर्तमान में प्रचलित 12 श्रेणियों के स्थान पर अब केवल सात श्रेणियों में शुल्क वर्गीकृत किया जाएगा, जिससे प्रक्रिया सरल और पारदर्शी होगी। इसके अलावा यूपीपीसीबी की कार्य प्रणाली को अधिक सरल और पारदर्शी बनाने के लिए आईटी और एआई टेक्नालॉजी युक्त एक पोर्टल भी विकसित किया जाएगा।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। (स्त्रोत: पीआईबी)

पीएम आवास पर मोदी की सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ मुलाकात

नई दिल्ली (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को उन सांसदों से मुलाकात की, जो ऑपरेशन सिंदूर पर भारत के वैश्विक आउटरीच के हिस्से के रूप में सात बहुदलीय प्रतिनिधिमंडलों के हिस्से के रूप में विदेश गए थे। डीएमके की कनिमोझी, भाजपा के रविशंकर प्रसाद, रेखा शर्मा और फंगनन कोन्याक, बीजेडी के सस्मित पात्रा और एआईएडीएमके के एम थंबीदुरई सहित कई सांसदों ने नई दिल्ली में पीएम के 7, लोक कल्याण मार्ग पर बैठक में भाग लिया।

विभिन्न दलों के सांसदों, पूर्व सांसदों और प्रतिष्ठित राजनयिकों से युक्त प्रतिनिधिमंडलों ने विभिन्न देशों की अपनी यात्राओं के दौरान आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख और विश्व शांति के प्रति भारत की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला था। भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के प्रतिशोध में पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ढांचों को नष्ट करने के लिए 7 मई की सुबह ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। पाकिस्तानी हमलों के बाद की सभी जवाबी कार्रवाई इसी ऑपरेशन के तहत की गई।

पेड़ लगाना पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम: रविन्द्र इंद्राज सिंह

'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' अभियान के अंतर्गत दिल्ली के सह-शिक्षा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, रोहिणी में पौधारोपण कार्यक्रम आयोजित

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। समाज कल्याण, एससी/ एसटी कल्याण, चुनाव और सहकारिता मंत्री रविन्द्र इंद्राज सिंह ने मंगलवार को रोहिणी स्थित राजकीय सह-शिक्षा सर्वोदय विद्यालय, सेक्टर-22 में 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' अभियान के अंतर्गत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि स्कूल में इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों में प्रकृति के प्रति प्रेम और संवेदनशीलता को बढ़ावा देना है। इस अवसर पर श्री रविन्द्र इंद्राज ने कहा, बच्चे किसी भी देश का भविष्य होते हैं। जब हम उन्हें बचपन से ही प्रकृति से जोड़ने की कोशिश करते हैं, तो वे पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनते हैं। स्कूलों में पौधारोपण जैसे कार्यक्रम न केवल हरियाली बढ़ाते हैं बल्कि बच्चों के भीतर पर्यावरण के प्रति जागरूकता भी पैदा करते हैं।

श्री इंद्राज ने अपने संबोधन में कहा कि पेड़ जीवन के लिए अनिवार्य हैं और विज्ञान के अत्याधुनिक युग में भी इनके कोई विकल्प नहीं हैं। उन्होंने पेड़ लगाने को समय की मांग बताते हुए कहा कि पेड़ केवल छांव और ऑक्सीजन ही नहीं देते, बल्कि यह सैकड़ों प्रकार के जीव-जंतुओं का आश्रय भी हैं। इनका संरक्षण हम सबकी सामूहिक जिम्मेदारी है।

श्री रविन्द्र इंद्राज ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता जी के नेतृत्व में चल रहे एक पेड़ माँ के नाम अभियान की सराहना करते हुए बताया कि इस वर्ष दिल्ली में 70 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने छात्रों से आान किया कि वे अपने आस-पास खाली स्थानों में पौधारोपण करें और अपने माता-पिता, परिवार व पड़ोसियों को भी इस दिशा में प्रेरित करें। उन्होंने कहा, बिना जन सहयोग के कोई भी अभियान सफल नहीं हो सकता। पेड़ हमें बिना किसी स्वार्थ के जीवन देते हैं। ऐसे में हमारा भी फर्ज बनता है कि हम उनकी रक्षा करें और ज्यादा से ज्यादा पौधे लगाएं।

समाज कल्याण मंत्री ने सभी बच्चों और शिक्षकों का इस प्रयास में भाग लेने के लिए आभार किया और आग्रह किया कि यह पहल केवल एक दिन की न होकर जीवनभर की आदत बने।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 11 गौरवशाली वर्ष भारत के नव-निर्माण और वैश्विक नेतृत्व का स्वर्णिम युग: नायब सिंह सैनी

वर्ष 2047 तकभारत निश्चित तौर पर 'विकसित राष्ट्र' बनेगा

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 वर्षों की अभूतपूर्व उपलब्धियों की सराहना करते हुए कहा कि यह कालखंड भारत के इतिहास में विकास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिष्ठा का स्वर्णिम युग बनकर उभरा है। वर्ष 2014 से प्रधानमंत्री ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र को अपनाते हुए देश को एक नई दिशा दी है।

आज भारत वोट बैंक की राजनीति से नहीं, बल्कि दूरदर्शी नेतृत्व से आगे बढ़ रहा है। ये 11 वर्ष केवल एक पड़ाव है, प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमारा लक्ष्य वर्ष 2047 तक भारत को एक 'विकसित राष्ट्र' बनाना है। यह अमृत काल उस स्वर्णिम काल की नींव रखेगा, जहां भारत ज्ञान, विज्ञान, अध्यात्म और समृद्धि का विश्व गुरु बनेगा। मुख्यमंत्री पंचकूला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 गौरवशाली वर्षों की उपलब्धियों को लेकर पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार, श्री महीपाल ढांडा, श्री विपुल गोयल, डॉ. अरविंद शर्मा, श्री श्याम सिंह राणा, श्री कृष्ण कुमार बेदी, राज्यसभा सांसद श्रीमती रेखा शर्मा, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष श्री मोहन लाल कौशिक, पूर्व मंत्री श्री कंवर पाल और मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव श्री प्रवीण आत्रेय सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 11 वर्ष भारत के नव-निर्माण, आत्म-विश्वास और वैश्विक पटल पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में पुनः स्थापना की एक स्वर्णिम गाथा है। इन 11 वर्षों में, हर भारतीय ने एक ऐसे भारत का उदय देखा है जो अपनी प्राचीन विरासत पर गर्व करता है, वर्तमान की चुनौतियों का डटकर सामना करता है और भविष्य के लिए महत्वाकांक्षी सपने संजोता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले देश में निराशा और अविश्वास का माहौल था। भ्रष्टाचार और अक्षम नेतृत्व ने देश के विकास को अवरुद्ध कर दिया था। देश में उन दिनों भय, भ्रष्टाचार, क्षेत्रवाद व भाई-भतीजावाद का बोलबाला था। निष्पक्ष शासन का पूरी तरह अभाव था, लेकिन श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने विकास और विश्वास का मॉडल दिया और देश ने एक निर्णायक और पारदर्शी सरकार का अनुभव किया। योजनाओं का निर्माण और उनका क्रियान्वयन समयबद्ध तरीके से सुनिश्चित किया गया। 'मिनिमम गवर्नमेंट-मैक्सिमम गवर्नेंस' के सिद्धांत पर चलते हुए प्रक्रियाओं को सरल बनाया गया और जन-भागीदारी को प्रोत्साहित किया गया।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में आज हमारा देश अपनी उन्नत प्रौद्योगिकी के बल पर न केवल मिसाइलें बना रहा है, बल्कि सूर्य यान, चंद्रयान और मंगलयान जैसे मिशन सफलतापूर्वक पूरे कर रहा है। इन 11 सालों में भारत ने स्पेस डॉकिंग एक्सरसाइज मिशन के तहत अंतरिक्ष में दो भारतीय सैटेलाइट्स को सफलतापूर्वक जोड़कर इतिहास रचा है। इस उपलब्धि के साथ अमेरिका, रूस और चीन के बाद ऐसा करने वाला भारत चौथा देश बन गया है। इससे हर भारतवासी गौरवान्वित हुआ है। चांद के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 को सफलतापूर्वक उतारने वाला भारत दुनिया का पहला देश है।

नायब सैनी ने रद्द किए गए रिहायशी प्लॉटों को नियमित करने के लिए एमनेस्टी योजना लागू करने की घोषणा की

फरीदाबाद में एस्टेट ऑफिसर II के नए पद के सृजन को स्वीकृति

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) की 128वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की। बैठक में प्रदेश के हजारों आवंटियों को राहत देने वाली एमनेस्टी योजना को लागू करने की घोषणा की गई, जिससे 6 जुलाई 2020 के बाद ई-नीलामी के माध्यम से बेचे गए रद्द किए गए रिहायशी प्लॉटों को नियमित किया जा सकेगा।

इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने एचएसवीपी की तीन महत्वपूर्ण डिजिटल पहलों का भी शुभारंभ किया, जिनमें ई-आवास पोर्टल, ऑनलाइन एक्स-ग्रेशिया पॉलिसी आवेदन पोर्टल और जल बिलिंग डेटाबेस को पीपीएम सिस्टम से जोड़ने का ऑनलाइन तंत्र शामिल है। बैठक में सबसे महत्वपूर्ण निर्णयों में से एक था फरीदाबाद एस्टेट में एस्टेट ऑफिसर-II के नए पद का सृजन। वर्तमान में फरीदाबाद शहरी एस्टेट में 62,606 संपतियाँ दर्ज हैं, जिनमें रिहायशी, वाणिज्यिक तथा संस्थागत श्रेणियाँ शामिल हैं। यह संख्या राज्य के किसी भी शहरी एस्टेट में सबसे अधिक है। तुलना करें तो गुरुग्राम के दोनों एस्टेट ऑफिस मिलाकर केवल 55,735 संपतियाँ प्रबंधित कर रहे हैं। फरीदाबाद एस्टेट ऑफिसर का कार्यक्षेत्र अत्यंत विस्तृत है। यह 70 सेक्टरों में फैला हुआ है, जिसमें न केवल फरीदाबाद के शहरी एस्टेट शामिल हैं बल्कि पलवल, हथीन, नूंह, रोजका मेव और तावडू के एस्टेट भी इसके अंतर्गत आते हैं। इस व्यापक कार्यक्षेत्र को देखते हुए लंबे समय से प्रशासनिक तथा विकास कार्यों में अत्यधिक भार महसूस किया जा रहा था।

नए एस्टेट ऑफिसर पद के सृजन से कार्य विभाजन में संतुलन आएगा, जिससे विकास कार्यों को गति मिलेगी, प्रशासनिक प्रक्रियाएँ सरल होंगी और नागरिकों को समयबद्ध सेवाएँ मिल सकेंगी। इससे एचएसबवीपी के कार्य निष्पादन में भी उल्लेखनीय सुधार होगा। मुख्यमंत्री द्वारा घोषित एमनेस्टी योजना का उद्देश्य उन आवंटियों को राहत प्रदान करना है जिनके रिहायशी प्लॉट ई-नीलामी के बाद रद्द कर दिए गए थे। यह योजना 6 जुलाई 2020 से लेकर इस योजना की घोषणा तक आयोजित हुई ई-नीलामियों में खरीदे गए रिहायशी श्रेणी के प्लॉटों (ग्रुप हाउसिंग सोसायटी को छोड़कर) पर लागू होगी। जो बोलीदाता प्लॉट की कुल लागत के 25% में से कम से कम 15% राशि पहले ही जमा कर चुके थे, किन्तु शेष राशि समय पर जमा न कर पाने के कारण जिनके प्लॉट रद्द कर दिए गए, वे इस योजना के अंतर्गत पात्र होंगे।

इस योजना के तहत ऐसे आवंटियों को अपनी बकाया राशि पर 18% वार्षिक ब्याज सहित पूर्ण भुगतान करना होगा। यह ब्याज दर देय तिथि से लेकर वास्तविक भुगतान तिथि तक लागू रहेगी। पहली एमनेस्टी योजना का लाभ न उठा पाने वाले बोलीदाता इस योजना के तहत भी पात्र होंगे। ऐसे आवंटियों को बकाया राशि पर 24% वार्षिक ब्याज सहित भुगतान करना होगा। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस योजना के तहत संपूर्ण राशि (मूल ब्याज) योजना की अधिसूचना जारी होने की तिथि से 60 दिनों के भीतर जमा करनी होगी। इस अवधि में कोई विस्तार नहीं दिया जाएगा और किस्तों में भुगतान का कोई विकल्प उपलब्ध नहीं होगा।

बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि फरीदाबाद जिले के बल्लभगढ़ सेक्टर-23 में सरकारी कॉलेज के निर्माण हेतु HPGCL की 5 एकड़ भूमि को उच्च शिक्षा विभाग को हस्तांतरित किया जाएगा। इससे क्षेत्र में उच्च शिक्षा के नए अवसर सृजित होंगे।

HSVP ई-आवास पोर्टल (हाउस अलॉटमेंट सिस्टम के लिए): यह पोर्टल HSVP के कर्मचारियों के लिए स्टाफ क्वार्टर की आवंटन प्रक्रिया को पूर्ण रूप से डिजिटल बनाएगा। इस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया जा सकेगा तथा सभी आवश्यक दस्तावेज अपलोड किए जा सकेंगे।

धाम लोगों की आस्था के आधार पर बनते हैं, किसी व्यक्ति के अहंकार से नहीं: माझी

(एजेन्सी)।

ओडिशा। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने मंगलवार को कहा कि धाम लोगों की धार्मिक आस्था के आधार पर स्थापित किए जाते हैं, न कि किसी व्यक्ति या सरकार के अहंकार से स्थापित किए जाते है। माझी यहां पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को लिखे गए पत्र को लेकर पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे। यह पत्र दीघा में स्थित एक मंदिर को जगन्नाथ धाम कहे जाने को लेकर उपजे विवाद के संबंध में था। बनर्जी का नाम लिए बिना माझी ने कहा, धाम सैकड़ों वर्ष पूर्व लोगों की आस्था के आधार पर स्थापित हुए थे, जिन्हें कोई व्यक्ति या सरकार बदल नहीं सकती। आदिशंकराचार्य ने हिंदुओं के लिए चार धामों की स्थापना की थी और पुरी का जगन्नाथ धाम उन्हीं में से एक है। माझी ने कहा, हां, मैंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को एक पत्र लिखा था। (जिसमें बनर्जी से दीघा में जगन्नाथ मंदिर को धाम कहने से बचने का अनुरोध किया गया था)। लेकिन उन्होंने पत्र के माध्यम से जवाब नहीं दिया, बल्कि एक बयान जारी किया जो स्वीकार्य नहीं है। यह मामला लाखों लोगों की आस्था पर आधारित है, इसका सम्मान किया जाना चाहिए।

फास्ट ट्रैक पोर्टल पंजाब में लाएगा उद्योग क्रांति: अब ईज ऑफ डूइंग बिजनेस वादा नहीं गारंटी: केजरीवाल

संजना भारती संवाददाता

मोहाली। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पंजाब को देश के औद्योगिक केंद्र के रूप में उभारने के लिए उद्योगपतियों को फास्ट्रैक पोर्टल का अधिक से अधिक उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया।

यहां एक सभा को संबोधित करते हुए मुख्य मंत्री ने कहा कि फास्टट्रैक पंजाब पोर्टल निवेशकों को 45 दिनों के भीतर सभी मंजूरियां प्रदान करना सुनिश्चित करेगा और यह औद्योगिक मॉडल शासन की रीढ़ है। उन्होंने दोहराया कि यह सुधारों की श्रृंखला में एक नई लहर की शुरूआत है, जहां कारोबार के लिए अनुकूल माहौल अब एक नारा नहीं, बल्कि यहां का संस्कृति बन गया है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब हमेशा साहसी और उद्योमियों लोगों की धरती रहा है और अब यह उसी भावना के साथ भारत के औद्योगिक पुनर्जनन का नेतृत्व करने के लिए पूरी तरह तैयार है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में राज्य सरकार ने समाज के हर वर्ग को लाभ पहुंचाने के लिए कई पहल की हैं। उन्होंने कहा कि अब तक उद्योगपतियों को एटीएम माना जाता था, जो केवल चुनावों के दौरान फंड देते थे। भगवंत सिंह मान ने आगे कहा कि उद्यमी केवल अपने काम करवाने के अधिकार के लिए पारंपरिक पार्टियों को फंड देते थे ताकि उन्हें किसी परेशानी का सामना न करना पड़े।मुख्यमंत्री ने कहा कि सत्ता संभालने के बाद उनकी सरकार ने उद्योगपतियों की सुविधा के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब देश का पहला राज्य बन गया है, जिसने विशिष्ट रंग-कोड वाले स्टैंप पेपर शुरू किए हैं ताकि राज्य में अपनी इकाइयां स्थापित करने वाले उद्यमियों को विशेष सुविधा दी जा सके, जिससे औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस क्रांतिकारी कदम का उद्देश्य राज्य में अपनी इकाइयां स्थापित करने के इच्छुक उद्यमियों के लिए कारोबार करने की सुगमता को प्रोत्साहित करना है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी उद्यमी जो राज्य में अपनी औद्योगिक इकाई स्थापित करना चाहता है, वह इनवेस्ट पंजाब पोर्टल से यह विशिष्ट रंग-कोड वाला स्टैंप पेपर प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि उद्योगपति अपनी इकाई स्थापित करने के लिए सीएलयू, वन, प्रदूषण, अग्निशमन और अन्य मंजूरियां प्राप्त करने के लिए केवल यह एकल स्टैंप पेपर खरीदकर विभिन्न आवश्यक शुल्कों का भुगतान कर सकेंगे। भगवंत मान ने कहा कि स्टैंप पेपर खरीदने के बाद उद्योगपति को अपनी इकाई स्थापित करने के लिए 15 दिनों के भीतर सभी विभागों से सभी आवश्यक मंजूरियां मिल जाएंगी। उन्होंने आगे कहा कि इसके साथ ही देश के कई अन्य राज्य भी इस रणनीति को अपनाने में रुचि दिखा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योगपतियों की जरूरतों और उनकी सुविधा के लिए उद्योगों के लिए नीतियां बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि उद्योगों ने राज्य सरकार से जो भी मांग की है, वह उनकी सुविधा के लिए जल्द से जल्द प्रदान की गई है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए समय की जरूरत भी है और इसका उद्देश्य पंजाब को एक औद्योगिक केंद्र बनाना है।

सम्पादकीय

आरबीआई का तोहफा

वैश्विक स्तर पर विश्व के कई देशों में आर्थिक गतिविधियों पर संकट के बादल मंडराते हुए दिखाई दे रहे हैं। अमेरिका में तो श्री डॉनल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद से नित नई घोषणाएं की जा रही है। कभी टैरिफ को बढ़ाया जा रहा है तो कभी टैरिफ को लागू करने की तारीखों में परिवर्तन किया जा रहा है तो कभी टैरिफ को कम किया जा रहा है। कुल मिलाकर अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अफरा तफरी का माहौल बन गया है। अभी हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति श्री ट्रम्प एवं अमेरिका के एक महत्वपूर्ण एवं शक्तिशाली मंत्री श्री एलान मस्क के बीच युद्ध छिड़ गया है एवं अब वे एक दूसरे पर गम्भीर आरोप लगाते हुए दिखाई दे रहे हैं। अमेरिकी अर्थव्यवस्था का इन सब बातों से बहुत नुक्सान होता हुआ दिखाई दे रहा है। बेरोजगारी भत्ता लेने वाले नागरिकों की संख्या में वृद्धि हो रही है, अमेरिकी कम्पनियों द्वारा कर्मचारियों की छंटनी पर विचार किया जा रहा है एवं आर्थिक विकास दर कम हो रही है। दूसरी ओर, रूस यूक्रेन के बीच युद्ध खत्म होने के आसार अभी भी दिखाई नहीं दे रहे हैं। एक तरह से इजराईल, हम्मास के बीच युद्ध अभी भी जारी ही है। चीन एवं अमेरिका के बीच में आई खटास भी कम होने का नाम नहीं ले रही है। वैश्विक स्तर पर इन समस्त घटनाओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था नित नई ऊचाईयों को छूने की ओर अग्रसर है। भारत में नागरिक शांतिपूर्ण तरीके से भारतीय अर्थव्यवस्था को गति देने के प्रति कटिबद्ध हैं। केंद्र एवं राज्य सरकारों के उपक्रम एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियां देश के आर्थिक विकास को गति देने में अपने प्रयास लगातार तेज करते हुए दिखाई दे रहे हैं। इसी क्रम में, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा दिनांक 6 जून 2025 को द्विमासिक मुद्रा नीति की घोषणा करते हुए, देश की अर्थव्यवस्था को गति देने के उद्देश्य से, दो महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। एक, रेपो दर में 50 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 6 प्रतिशत की दर से नीचे लाकर 5.5 प्रतिशत कर दिया गया है। केलेंडर वर्ष 2025 में रेपो दर में यह लगातार तीसरी कटौती की गई है एवं कुल मिलाकर रेपो दर में 100 आधार बिंदुओं की कमी की जा चुकी है। फरवरी 2025 एवं अप्रेल 2025 घोषित की गई मुद्रा नीति के माध्यम से रेपो दर में दोनों बार 25 आधार बिंदुओं की कमी की गई थी। रेपो दर उस दर को कहते हैं, जिस दर पर भारतीय रिजर्व बैंक विभिन्न बैंकों को आवश्यकता पड़ने पर ऋण उपलब्ध कराता है एवं विभिन्न बैंक रेपो दर को आधार दर बनाते हुए इस दर पर कुछ आधार बिंदु (जमाराशि की लागत एवं लाभ की राशि का समायोजन करते हुए) जोड़ते हुए, ब्याज की दर पर, अपने ग्राहकों को ऋणराशि उपलब्ध कराते हैं। दूसरे, भारतीय रिजर्व बैंक ने नकद आरक्षित अनुपात में सीधे ही 100 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 4 प्रतिशत की दर से घटाकर 3 प्रतिशत की दर पर ला दिया है। इससे, भारत में बैकों के पास 2.5 लाख करोड़ रुपए की अतिरिक्त राशि ऋण प्रदान करने के उद्देश्य से उपलब्ध हो जाएगी एवं सिस्टम में तरलता बढ़ जाएगी। नकद आरक्षित अनुपात उस अनुपात को कहते हैं, जिस पर विभिन्न बैंकों को अपने मांग एवं जमा देयताओं की राशि पर इस अनुपात की दर से नकदी राशि भारतीय रिजर्व बैंक के पास जमा करानी होती है। अतः यह राशि इन बैंकों की पहुंच से बाहर हो जाती है एवं ऋण के रूप में इसे बैंक के ग्राहकों को उपलब्ध नहीं कराया जा सकता है। यदि नकद आरक्षित अनुपात को कम कर दिया जाता है तो बैंकों के पास यह राशि ऋण के रूप में प्रदान करने के लिए उपलब्ध हो जाती है। इससे स्पष्टतः बैंकों की लाभप्रदता में सुधार होता है। भारतीय रिजर्व बैंक के उक्त महत्वपूर्ण दोनों निर्णयों से वैश्विक स्तर पर विपरीत परिस्थितियों के बीच भारत में उत्पादों की आंतरिक मांग उत्पन्न करने में सहायता मिलेगी क्योंकि बैंक अपने ग्राहकों को प्रदान की जाने वाली ऋणराशि पर ब्याज दरों को कम करेंगे। इससे, विशेष रूप से व्यक्तिगत ऋण, गृह ऋण, वाहन ऋण, आदि सस्ते होंगे और अब प्रति माह ग्राहकों द्वारा इन ऋणों पर अदा की जाने वाली मासिक किश्त की राशि में कमी आएगी और इन नागरिकों के पास खर्च करने के लिए अतिरिक्त राशि उपलब्ध होने लगेगी, जिसे वे अन्य पदार्थों को खरीदने में खर्च कर सकेंगे। साथ ही, ऋण पर ब्याज राशि कम होने से विभिन्न उत्पादक कम्पनियों की लाभप्रदता में वृद्धि होगी क्योंकि उन्हें अब बैंकों से लिए गए ऋण पर कम ब्याज देना होगा। लाभप्रदता में होने वाली इस अतिरिक्त वृद्धि के चलते यह कम्पनियां अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के बारे में गम्भीरता से विचार करेंगी क्योंकि उत्पादों की होने वाली मांग में वृद्धि की पूर्ति जो करनी है। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जून 2025 माह में घोषित मौद्रिक नीति को अर्थशास्त्रियों एवं बैंकिंग जगत के विशेषज्ञों द्वारा हाल ही के वर्षों में घोषित की गई सबसे बेहतरीन मौद्रिक नीति माना जा रहा है। इस मौद्रिक नीति को भारत के शेयर बाजार ने भी दिनांक 6 जून 2025 को त्वरित सकारात्मक उत्तर दिया और निफ्टी एवं सेन्सेक्स में एक प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है। ब्याज दरों से जुड़े क्षेत्रों विशेष रूप से बैंकिंग, रीयल एस्टेट एवं ऑटो क्षेत्र की कम्पनियों के शेयरों में जोरदार उछाल देखने को मिला है। दरअसल अधिकतर अर्थशास्त्री रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की उम्मीद कर रहे थे परंतु भारतीय रिजर्व बैंक ने 50 आधार बिंदुओं की कमी की घोषणा करते हुए अपनी आक्रात्मक नीति का परिचय दिया है। अतः रेपो दर में उम्मीद से अधिक कटौती होने पर निवेशकों का भारतीय कम्पनियों, विशेष रूप से वे कम्पनियां जो घरेलू मांग एवं ऋण पर निर्भर रहती हैं, पर भरोसा बढ़ा है।

मोदी शासनः एक रुद्र बनाम रौद्र रूप, गर्व कीजिए कि हम भारतीय हैं!

अच्छा हुआ, वसुधैव कुटुंबकम का पथप्रदर्शक भारत मान गया, लेकिन यदि न मानता तो आज पाकिस्तान का वजूद ही मिट गया होता। उसके बाद चीन अपनी कुटिल चालें चल रहा है। अमेरिका का नेतृत्व पागल की तरह भारत से व्यवहार कर रहा है। लेकिन देखते रहिए, भारत की यह सैन्य शक्ति तथा बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था ही इस महान देश को विकसित राष्ट्र और वैश्विक महाशक्ति बनने के रास्ते पर ले जाएगी

-कमलेश पांडेय

सदैव लोककल्याणकारी देवाधिदेव महादेव के दरबार में एक रुद्र का मतलब ग्यारह होता है। सनातन धर्म में यह बेहद कल्याणकारी अंक समझा जाता है। इस नजरिए से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजनीतिक क्लोन भारतीय जनता पार्टी के देशव्यापी शासन के छठवीं पारी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निरंतरता के 11 वर्ष पूरे होने पर देशवासियों यानी हर हिंदुस्तानी को गर्व तो होना ही चाहिए। क्योंकि इसी वर्ष पाकिस्तान द्वारा प्रोत्साहित और चीन-अमेरिका द्वारा उकसाए हुए पहलगाम आतंकी हमले के बाद दी गई जवाबी प्रतिक्रिया में भारत सरकार द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारी संयुक्त सेनाओं ने जो अपना रौद्र रूप दिखलाया है, वह काबिलेतारीफ है। इसने दुनियावी महाशक्तियों को अपनी हद में रहने अन्यथा दुष्परिणाम झेलने का दो टूक संदेश दिया है।

कहना न होगा कि भारतीयों की यह महानतम उपलब्धि अनायास नहीं है, बल्कि मोदी सरकार की ग्यारह वर्षीय सैन्य साधना का चमत्कार है। यह आरएसएस के शताब्दी वर्ष को और भाजपा को 45 वर्ष पूरे करने की सलामी है, जिसे जनसंघ को विघटित किये जाने के पश्चात एक नया रूप दिया गया था। वैसे तो जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी-दीन दयाल उपाध्याय, पूर्व प्रधानमंत्री अटलबिहारी बाजपेयी-पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी-गृहमंत्री अमित शाह सरीखे सैकड़ों-लाखों संघ पुरुषों के त्याग-बलिदान के बाद यह शुभ दिन देखने को मिल रहा है, इसलिए युगपुरुष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विशेष बधाई के पात्र हैं, क्योंकि उन्होंने जिस शिद्दत से यह महानतम उपलब्धि हासिल की है और विभिन्न उपलब्धियों की जो विश्वयव्यापी श्रृंखला बनाई है, वह अनुकरणीय है। इसके लिए मोहन भागवत जैसे विभिन्न संघ प्रमुखों व उनके लाखों स्वयंसेवकों व भाजपा कार्यकताओं के त्याग व बलिदान को भी नहीं भुलाया जा सकता है।

कहना न होगा कि 'विदेशी एजेंट्स' के तौर पर कार्य करने वाले कतिपय भारतीय राजनेताओं ने जिस भाजपा को सियासी अछूत और साम्प्रदायिक पार्टी करार देने में कोई कोताही नहीं बरती, आज उसी की राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियां व सूबाई रणनीति इन राजनेताओं के राजनीतिक अस्तित्व को ही समाप्त करती जा रही हैं। अमेरिका और चीन जैसे अंतरराष्ट्रीय दोगले देशों के साथ चूहे-बिल्ली का खेल खेलते हुए भारत अब दुनिया की बड़ी आर्थिक व सैन्य शक्ति बन गया है। आर्थिक रूप से शक्तिशाली देशों की सूची में भारत जहां वर्ष 2014 में 10वें स्थान पर था, वह अब 2025 में 4थे स्थान पर पहुंच चुका है। हमारी अर्थव्यवस्था अब उछलकर विश्व के चौथे स्थान पर जा पहुंची है।

कहने का तातपर्य यह कि जिस ब्रिटेन ने दुनियाभर पर राज्य किया, वह तो कब का भारत से पिछड़ गया, वहीं अब धनकुबेर जापान को भी भारत ने पछाड़ दिया है और अपनी हठधर्मिता से दुनिया को दो विश्व युद्ध की सौगात देने वाले और तीसरे संभावित विश्वयुद्ध की पृष्ठभूमि तैयार करने वाले जर्मनी को आर्थिक चकमा देकर भारत कब दुनिया की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बन जायेगा और फिर अमेरिका-चीन से आर्थिक होड़ शुरू कर देगा, इसमें ज्यादा अवधि नहीं बची है! क्या यह देशवासियों के खुश होने का वक्त नहीं है? आंकड़े बताते हैं कि 1947 में आजादी मिलने के बाद साल 2014 तक यानी लगभग 70 वर्षों में देश महज 2 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी ही बना पाया था। ऐसा इसलिए कि हमारी सरकारें विदेशियों के मुंह पोछते रहने की आत्मघाती नीतियों पर चल रही थीं। वहीं, राष्ट्रवादी सरकार की 4थी से 6 ठी पारी के बीच यानी 11 साल बाद भारतीय अर्थव्यवस्था 4.2 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बन चुकी है। अब भारत का तात्कालिक लक्ष्य तीसरे स्थान पर चल रहे जर्मनी को पछाड़कर 2028 तक 5 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनना है। मतलब साफ है कि एक विकासशील देश से विकसित देश बनने को आतुर भारत का अगला शिकार जर्मनी होगा। तब भारत की अर्थव्यवस्था से आगे सिर्फ चीन और अमेरिका रह जाएंगे, जो हमसे पिछले कई दशकों से मजबूत प्रतिद्वंद्विता करते आए हैं।

ऐसे में हम विगत 11 सालों में मोदी सरकार या एनडीए सरकार पास हुई या फेल, इस विवाद को हम विपक्षी राजनीतिक पार्टियों के लिए छोड़ते हैं। जबकि बाकी काम जनता जानती है और उसके पास जवाब देने के लिए अनेक अवसर हैं। जो असंभव को संभव बनाने का कार्य मोदी सरकार ने किया है, वह हम सबके सामने है। चाहे राम मंदिर निर्माण हो, जम्मू-कश्मीर से धारा 370 की समाप्ति हो और तीन तलाक नामक कुप्रथा की समाप्ति, आदि.... ऐसे बड़े काम हैं जो पिछली सरकारें कभी नहीं कर पातीं।

उसे छोड़िए, हुआ न हुआ, इसको सरकार और विपक्ष पर छोड़ते हैं। लेकिन अब हमारी निगाहें 22 साल बाद यानी 2047 के विकसित भारत की ओर लगी हैं। वर्तमान अमृत काल खंड सबको आकर्षित कर रहा है। माना कि वह साल हम लोग और हमारी वर्तमान पीढ़ी नहीं देख पाएगी। या जो सौभाग्यशाली होंगे, वो देख पाएंगे। पर भारत को विकसित राष्ट्र बनते हमारे बच्चे देखेंगे और हम उनकी आंखों से देखेंगे। कहना न होगा कि विगत 11 सालों में भारत की गतिशील अर्थव्यवस्था का रास्ता खुद ही नहीं खुला, बल्कि टीम मोदी प्रशासन की अथक तैयारियों के साथ खोला गया है। यदि एपल, स्टारलिंक और टेस्ला जैसी बड़ी अमेरिकी कंपनियां अमेरिका की बजाय भारत में अपना उद्योग लगाना चाहती हैं तो कोई तो बात हुई होगी इन 11 वर्षों में? जबकि कुछ लोगों ने दंगों-फसादों में ही झुलसते रहने का ही ठेका ले लिया है?

आप गौर कीजिए कि आखिर अब ऐसा कौन-सा मोर्चा बचा हुआ है जिस पर भारत मजबूत न हुआ हो? क्योंकि कोई भी देश मजबूत अर्थव्यवस्था वाला देश तभी बनता है जब वह हर मोर्चे पर मजबूत हुआ हो। यही वजह है कि ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने भारत की मजबूती देखी। भारत के हमलों की मार पाकिस्तान के उस परमाणु भंडार तक पहुंच गई जिसमें अमेरिका और चीन भी अपने अपने परमाणु हथियार रखे हुए हैं। भारत द्वारा 9 आतंकी ठिकाने और 11 एयरबेस उड़ाने की आग जब परमाणु भंडार की तरफ बढ़ी, तो अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंफ और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के पसीने भी छूटने लगे। फिर भारत ने आत्मशक्ति से अर्जित आत्मसंयम की मिसाल भी दुनिया के सामने खड़ी कर दी।

आप जरा गौर कीजिए, बीते कुछ महीनों-सालों में पाकिस्तान में पनवाड़ी से लेकर मोची तक और सिपाही से लेकर सेनाध्यक्ष मुनीर तक सभी परमाणु हमले की धमकी बार-बार दिया करते थे। लेकिन भारत के ब्रह्मोस की रेंज में जब सरगोधा के बाद किराना हिल्स भी आ गई तब अमेरिका तक किस तरह घबरा गया। चीन किस तरह से अमेरिका की चिरौरी करने लगा। वही आक्रमण था जब पाकिस्तानी सेना ने गिड़गिड़ाते हुए सीजफायर की गुहार भारतीय सेना से लगाई।

अच्छा हुआ, वसुधैव कुटुंबकम का पथप्रदर्शक भारत मान गया, लेकिन यदि न मानता तो आज पाकिस्तान का वजूद ही मिट गया होता। उसके बाद चीन अपनी कुटिल चालें चल रहा है। अमेरिका का नेतृत्व पागल की तरह भारत से व्यवहार कर रहा है। लेकिन देखते रहिए, भारत की यह सैन्य शक्ति तथा बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था ही इस महान देश को विकसित राष्ट्र और वैश्विक महाशक्ति बनने के रास्ते पर ले जाएगी।

हमारे देश को जरा और आगे बढ़ने तो दीजिए? हमारे महान भारत को, हमारे कुशल भारतीयों को! उनका रौद्र रूप और शिव तांडव जब दुनिया देखेगी, तो अचंभित रह जायेगी। क्योंकि विश्व को सत्य व अहिंसा का नया पाठ पढ़ाने के लिए हमलोग दुनियावी तांडव जरूर दिखाएंगे, आज नहीं तो निश्चय कल। इसलिए चेत जाए हिंसक-प्रतिहिंसक दुनिया!

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

डिजिटल क्रांति की कथा सुनाने लगे गांव

बीएसएनएल ने महज 22 महीनों में देश का पहला पूर्ण स्वदेशी 4जी स्टैक विकसित किया, जिससे भारत उन पांच देशों की सूची में शामिल हो गया है, जो यह तकनीकी आत्मनिर्भरता प्राप्त कर चुके हैं। जनता के इस भरोसे और समर्थन ने बीएसएनएल को यह ऐतिहासिक सफलता दिलाई है, जो डिजिटल इंडिया के आत्मनिर्भर संचार तंत्र की एक बड़ी उपलब्धि है

-ज्योतिरादित्य सिंधिया
केंद्रीय संचार मंत्री

आज गलवान और सियाचिन जैसे दुर्गम इलाकों में तैनात हमारे सैनिक इंटरनेट की तेज स्पीड के साथ पूरी दुनिया से जुड़ रहे हैं। जो कभी बर्फीली खामोशियों में रहते थे, वे अब हाई-स्पीड इंटरनेट से संवाद कर रहे हैं। देश के पूर्वोत्तर का व्यापारी वैश्विक बाजार तक पहुंच रहा है, तो छत्तीसगढ़ के जंगलों में रहने वाले छात्र ऑनलाइन पढ़ाई से अपने सपनों को ऊंची उड़ान दे रहे हैं। यह सिर्फ कनेक्टिविटी नहीं, मनोबल बढ़ाने वाली क्रांति है।

यह बदलाव अचानक नहीं आया है, यह उस संकल्प की परिणति है, जिसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साल 2014 में लास्ट माइल कनेक्टिविटी के रूप में लिया था। बीते 11 वर्षों में दूरसंचार क्षेत्र में लिए गए ऐतिहासिक निर्णयों ने एक नई डिजिटल क्रांति को जन्म दिया, जो न केवल शहरों को, बल्कि गांवों, सीमाओं व जंगलों को भी जोड़ रही है। आज, जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है, तो इस यात्रा में मजबूत दूरसंचार तंत्र व भरोसेमंद इंटरनेट कनेक्टिविटी एक सशक्त उत्प्रेरक की भूमिका निभा रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने सिर्फ तकनीकी विकास नहीं, बल्कि तकनीक के माध्यम से जन-सशक्तीकरण का नया अध्याय रचा है।

भारत के दूरसंचार और इंटरनेट उपयोग में पिछले 11 वर्षों में आई क्रांति का अनुमान इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि प्रति उपयोगकर्ता डाटा खपत 2014 में जहां 61 एमबी हुआ करती थी, आज 2025 में 21.5 जीबी हो चुकी है। मेगाबाइट से गीगाबाइट तक की यह वृद्धि डिजिटल इंडिया की नींव बन रही है। मात्र 11 साल में ब्रॉडबैंड कनेक्शन में 1,449 फीसदी की अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई, जिसकी संख्या आज 95 करोड़ है। मार्च 2014 से मार्च 2025 तक भारत में टेलीफोन कनेक्शन की संख्या 93.3 करोड़ से बढ़कर 120.167 करोड़ हो गई है, जिसमें मोबाइल उपयोगकताओं की संख्या 115.786 करोड़ है। आज भारत, विश्व का दूसरा सबसे बड़ा मोबाइल निमार्ता बन चुका है। यहां बिकने वाले 99.2 प्रतिशत मोबाइल देश में ही बनते हैं। एक समय था, जब एक जीबी डाटा के लिए उपभोक्ताओं को 268.97 रुपये चुकाने पड़ते थे, लेकिन आज वह मात्र 9.34 रुपये में उपलब्ध है, यानी 96 प्रतिशत की अभूतपूर्व गिरावट हमारे सर्वव्यापी कनेक्टिविटी को शक्ति दे रही है।

ग्यारह साल पहले प्रधानमंत्री मोदी ने जब देश की बागडोर संभाली, तब भारत के लाखों गांव इंटरनेट कनेक्टिविटी से अछूते थे। प्रधानमंत्री जानते थे कि यदि भारत को 21वीं सदी में वैश्विक नेतृत्व की भूमिका निभानी है, तो प्रत्येक गांव, पंचायत और कस्बे को डिजिटल रूप से सशक्त बनाना होगा। इसी दृष्टि से भारत नेट परियोजना शुरू की गई, जो विश्व की सबसे बड़ी ग्रामीण टेलीकॉम कनेक्टिविटी परियोजना है। इसके पहले चरण में 2.14 लाख ग्राम पंचायतों को ब्रॉडबैंड से जोड़ा जा चुका है, अगले चरण में और 2.64 लाख ग्राम पंचायतों को डिजिटल नेटवर्क से जोड़ने का लक्ष्य है। इन उपलब्धियों से भारत में एक विशाल डिजिटल हाईवे का निर्माण हुआ है, जिसके लाभ आज देश के हर कोने में महसूस किए जा रहे हैं।

दूरसंचार का महत्व केवल फोन, टीवी या कंप्यूटर तक सीमित नहीं है, बल्कि यह परिवर्तन का एक सशक्त उपकरण बन चुका है। जन-धन, आधार और मोबाइल (जैम) ट्रिनिटी ने डिजिटल वित्तीय समावेशन में क्रांतिकारी बदलाव किए हैं। आज इसी डिजिटल हाईवे के माध्यम से भारत वैश्विक डिजिटल पेमेंट्स में 46 प्रतिशत योगदान दे रहा है, जो देश की तकनीकी क्षमताओं और जन-सहभागिता का सशक्त प्रमाण है।

ट्रैफिक के बढ़ते दबाव के अनुरूप इस सरकार ने लगातार तकनीकी नवाचार करते हुए देश की इंटरनेट कनेक्टिविटी को आधुनिक व सक्षम बनाए रखा है। इस प्रयास के केंद्र में है हमारा स्वदेशी संचार नायक- बीएसएनएल। आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत सरकार द्वारा किए गए ठोस प्रयासों के फलस्वरूप यह एक बार फिर मजबूती से उभर रहा है। 17 वर्षों में पहली बार इसने लगातार दो वित्तीय तिमाही में शुद्ध लाभ दर्ज किया है। देश भर में 93,000 से अधिक 4जी टावर की स्थापना के साथ बीएसएनएल अपने उपयोगकताओं को सुलभ और निर्बाध 4जी कनेक्टिविटी उपलब्ध करा रहा है, वह भी पूर्ण स्वदेशी तकनीक के माध्यम से।

बीएसएनएल ने महज 22 महीनों में देश का पहला पूर्ण स्वदेशी 4जी स्टैक विकसित किया, जिससे भारत उन पांच देशों की सूची में शामिल हो गया है, जो यह तकनीकी आत्मनिर्भरता प्राप्त कर चुके हैं। जनता के इस भरोसे और समर्थन ने बीएसएनएल को यह ऐतिहासिक सफलता दिलाई है, जो डिजिटल इंडिया के आत्मनिर्भर संचार तंत्र की एक बड़ी उपलब्धि है।

इसी संचार क्रांति की अगली कड़ी में अब डाक विभाग भी तकनीक और सेवा के क्षेत्र में एक नई भूमिका निभा रहा है। एक समय था, जब डाक विभाग को केवल पत्र लाने-ले जाने तक सीमित माना जाता था, पर आज यह विभाग ग्रामीण भारत की जीवन-रेखा के रूप में उभर रहा है। 1.6 लाख से अधिक डाकघरों के व्यापक नेटवर्क के साथ इसे एक सशक्त लॉजिस्टिक्स और सेवा प्रदाता संगठन के रूप में बदला जा रहा है। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के माध्यम से बैंकिंग सेवाएं अब देश के कोने-कोने तक पहुंच चुकी हैं। यह बदलाव इतना व्यापक है कि अब डाकिया डाक लाया की पारंपरिक छवि की जगह डाकिया बैंक लाया की नई पहचान ने ले ली है। यह परिवर्तन सिर्फ सेवा का नहीं, बल्कि सशक्तीकरण का माध्यम बन गया है, जहां ग्रामीण भारत को अब शहरों की ओर देखने की जरूरत नहीं, बल्कि गांव अब डिजिटल भारत की गति को संबल दे रहे हैं। सरकार डाक विभाग को देश की आर्थिक आधारशिला का हिस्सा बनाते हुए इसे एक वित्तीय महाशक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। ग्रामीण विकास के प्रति मोदी सरकार की प्रतिबद्धता का ही यह परिणाम है कि गांव में बैठे-बैठे आम जनता सुविधाजनक तरीके से न सिर्फ सरकारी सुविधाओं का लाभ ले पा रही है, बल्कि राष्ट्र के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही है। युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए अब बड़े शहरों पर आश्रित नहीं होना पड़ता, क्योंकि उनके गांव में सुलभ मजबूत कनेक्टिविटी और ऑनलाइन कक्षाएं उनके लिए नित नए द्वार खोल रही हैं। व्यापारियों को अब बैंकों के चक्कर नहीं काटने पड़ते, क्योंकि इंटरनेट के माध्यम से सभी लेन-देन और हिसाब ऑनलाइन ही हो जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश को डिजिटल कनेक्टिविटी में विश्व-स्तरीय सुविधाएं मुहैया करवाने के लिए प्रतिबद्ध रही है और पिछले 11 वर्ष इसकी अभूतपूर्व सफलता के गवाह रहे हैं।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जयंती

राम प्रसाद बिस्मिल

जन्म-11 जून, 1897 शाहजहाँपुर; मृत्यु-19 दिसंबर, 1927 गोरखपुर) भारत के महान स्वतन्त्रता सेनानी ही नहीं, बल्कि उच्च कोटि के कवि, शायर, अनुवादक, बहुभाषाविद् व साहित्यकार भी थे जिन्होंने भारत की आजादी के लिये अपने प्राणों की आहुति दे दी।

पुण्यतिथि

मिहिर सेन

जन्म-16 नवम्बर, 1930, पुरुलिया, पश्चिम बंगाल; मृत्यु-11 जून, 1997, कोलकाता) भारत के प्रसिद्ध लम्बी दूरी के तैराक थे। उन्होंने 1966 में पनामा नहर की एक छोर से दूसरे छोर तक 77 किलोमीटर की दूरी तैरकर पार की थी। मिहिर सेन 1958 में इंग्लिश चैनल तैरकर पार करने वाले प्रथम भारतीय ही नहीं, प्रथम एशियाई भी थे। उन्होंने 'साल्ट वाटर' तैराकी में अनोखी दक्षता हासिल करके 5 महत्वपूर्ण रिकार्ड बनाए थे। उन्हें 1959 में 'पद्मश्री' प्रदान किया गया तथा 1967 में 'पद्मभूषण' देकर सम्मानित किया गया था।

कल मिलेंगे

पड़ोसन-बहन, नया हार तो बहुत अच्छा है, कितने का पड़ा है
दूसरी महिला-ज्यादा नहीं, दो दिन की लड़ाई, एक दिन की भूख हड़ताल, 2 दिन का मौन व्रत और बस थोड़ा रोना धोना
पड़ोसन भी अपने पति से रूठ जाती है....

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
RNI No. : DELHIN/2016/70240
Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

ऑस्ट्रिया के स्कूल में गोलीबारी में 10 लोगों की मौत

(एजेन्सी)।

ऑस्ट्रिया। ऑस्ट्रिया में एक स्कूल में गोलीबारी की घटना में कथित तौर पर 10 लोगों की मौत हो गई है, जिसमें छात्र और एक वयस्क शामिल हैं। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, इनमें से कम से कम नौ छात्र मारे गए हैं। पीड़ितों में संदिग्ध शूटर भी शामिल है, जिसने घटना के बाद आत्महत्या कर ली। यह गोलीबारी मंगलवार को ग्राज शहर के BORG Dreierschützengasse स्कूल में हुई। मेयर एल्के काहर के हवाले से, ऑस्ट्रियाई प्रेस एजेंसी ने बताया है कि ग्राज के एक स्कूल में हुए हमले में 10 लोगों की मौत हो गई। इनमें से कई छात्र और एक वयस्क थे, जो संभवतः स्कूल में शिक्षक था। मृतकों में संदिग्ध भी शामिल था।

ब्रिटेन स्थित इंडिपेंडेंट ने ऑस्ट्रिया के सरकारी मीडिया ORF का हवाला देते हुए बताया कि संदिग्ध, जो कथित तौर पर एक छात्र था, ने खुद को मार लिया और उसे वॉशरूम में पाया गया। हालांकि, आधिकारिक पुष्टि का इंतजार है। पुलिस ने कहा कि स्कूल के अंदर गोलियों की आवाज सुनने के बाद सुबह 10 बजे से शहर में एक बड़ा अभियान चल रहा था। ORF के अनुसार, गोलीबारी में गंभीर रूप से घायल होने वालों में छात्र और शिक्षक भी शामिल हैं।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो में गोलीबारी के बाद पुलिस की गाड़ियाँ मौके पर पहुँचती दिखाई दे रही हैं, जबकि दूसरे वीडियो में घटनास्थल पर लोग और पुलिस की गाड़ियाँ दिखाई दे रही हैं। ऑस्ट्रियाई पुलिस के अनुसार, अभियान एक गली में चल रहा था, जहाँ एक माध्यमिक विद्यालय स्थित है। अधिकारियों ने इमारत की तलाशी ली और इलाके की घेराबंदी कर दी। क्रोन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, गोलीबारी के दौरान अपने छात्रों के साथ कक्षा में बंद एक शिक्षिका के पति ने कहा कि उसकी पत्नी ने कई गोलियों की आवाज सुनी।

भागने वाले छात्रों के माता-पिता को अपने बच्चों से मिलने की अनुमति दी गई, जबकि घायलों को चिकित्सा सहायता दी जा रही थी। यह गोलीबारी 20 जून, 2015 को ग्राज गोलीबारी की दसवीं वर्षगांठ से पहले हुई, जिसमें तीन लोग मारे गए थे।

रिलायंस पावर में आया जबरदस्त उछाल

(एजेन्सी)।

रिलायंस पावर के शेयरों में मंगलवार को 4.8% की उछाल आई और यह बीएसई पर 52-सप्ताह के नए उच्चतम स्तर 67.68 रुपये पर पहुंच गया। इससे पिछले महीने में शेयर में 76% और पिछले साल में 173% की तेजी देखने को मिली थी। मंगलवार, 10 जून को सुस्त बाजार में बीएसई पर इंट्राडे ट्रेड में रिलायंस पावर के शेयर की कीमत 10 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई। रिलायंस पावर के शेयर की कीमत रु64.55 के पिछले बंद भाव के मुकाबले रु65.56 पर खुली और 10.53 प्रतिशत की उछाल के साथ रु71.35 के अपने 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई।

इस कीमत पर, इस साल अब तक शेयर में करीब 68 फीसदी की उछाल आई है और पिछले साल की तुलना में 174 फीसदी की उछाल आई है। मासिक पैमाने पर, मई में 45 फीसदी की उछाल के बाद जून में अब तक शेयर में 20 फीसदी से ज्यादा की उछाल आई है।

कंपनी के मजबूत चौथी तिमाही के नतीजों और सकारात्मक विकास परिदृश्य ने हाल ही में इस पावर स्टॉक में देखी गई तेजी में योगदान दिया है। रिलायंस पावर ने Q4FY25 के लिए रु125.57 करोड़ का समेकित लाभ दर्ज किया, जबकि Q4FY24 में रु397.56 करोड़ का घाटा हुआ था। परिचालन से समेकित राजस्व वर्ष-दर-वर्ष लगभग 1 प्रतिशत घटकर रु1,978.01 करोड़ रह गया, जो कि Q4FY24 में रु1,996.65 करोड़ था।

इस बीच, रिलायंस पावर की सहायक कंपनी, रिलायंस एनयू एनर्जीज प्राइवेट लिमिटेड को 28 मई को एसजेवीएन लिमिटेड, एक नवरत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम से 350 मेगावाट अंतर-राज्यीय ट्रांसमिशन सिस्टम (आईएसटीएस) से जुड़ी सौर ऊर्जा परियोजना के लिए 175 मेगावाट/700 मेगावाट घंटे की बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) के साथ अनुबंध का पत्र (एलओए) प्राप्त हुआ।

अमेरिका जाने का अधिकार नहीं, भारतीय छात्र को हथकड़ी लगाने के विवाद के बीच दूतावास का संदेश

(एजेन्सी)।

अमेरिका के नेवार्क एयरपोर्ट से एक भारतीय छात्र को हथकड़ी लगाकर वापस भेजे जाने के बाद भारत में अमेरिकी दूतावास ने कहा है कि हालांकि देश वैध यात्रियों का स्वागत करना जारी रखेगा, लेकिन वे अवैध प्रवेश, वीजा का दुरुपयोग या अमेरिकी कानून के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं करेंगे। इसने यह भी कहा कि अमेरिका की यात्रा करने का कोई अधिकार नहीं है। एक्स पर भारत में अमेरिकी दूतावास ने लिखा कि संयुक्त राज्य अमेरिका अपने देश में वैध यात्रियों का स्वागत करना जारी रखता है। हालांकि, संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा करने का कोई अधिकार नहीं है। हम अवैध प्रवेश, वीजा का दुरुपयोग या अमेरिकी कानून के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं कर सकते और न ही करेंगे। यह मुद्दा तब शुरू हुआ जब एक एनआरआई ने हथकड़ी लगाने की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया और लिखा कि अधिकारियों ने छात्र के साथ एक अपराधी की तरह व्यवहार किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, "मैंने कल रात न्यूर्क हवाई अड्डे से एक युवा भारतीय छात्र को निर्वासित होते देखा-हथकड़ी लगाए, रोते हुए, एक अपराधी की तरह व्यवहार करते हुए। वह सपनों का पीछा करते हुए आया था, कोई नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं। एक एनआरआई के रूप में, मैं असहाय और दुखी महसूस कर रहा था। यह एक मानवीय त्रासदी है।" सोशल मीडिया यूजर कुणाल जैन, जो एक सामाजिक उद्यमी हैं, के अनुसार, छात्र हरियाणवी भाषा में बोल रहा था और जोर देकर कह रहा था कि वह पागल नहीं है, लेकिन अधिकारी उसे पागल दिखाने की कोशिश कर रहे थे। जैन ने कहा, "ये बच्चे सुबह वीजा प्राप्त कर फ्लाइट में सवार हो जाते हैं। किसी कारण से वे इमिग्रेशन अधिकारियों को अपनी यात्रा का कारण नहीं बता पाते और शाम की फ्लाइट से उन्हें अपराधियों की तरह बांधकर वापस भेज दिया जाता है। हर दिन ऐसे 3-4 मामले सामने आ रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में ऐसे और भी मामले सामने आए हैं।"

'हाउसफुल 5' ने कमाई में पार किया 100 करोड़ का आंकड़ा

(एजेन्सी)। बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार की 'हाउसफुल 5', जो 6 जून, 2025 को सिल्वर स्क्रीन पर आई थी, ने सोमवार की परीक्षा सफलतापूर्वक पास कर ली है, क्योंकि कॉमेडी थ्रिलर फिल्म ने चौथे दिन 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। हालांकि, दूसरी ओर, 5 जून, 2025 को रिलीज हुई कमल हासन की स्टारर 'ठग लाइफ' सोमवार को बॉक्स ऑफिस पर प्रदर्शन करने में विफल रही। बॉक्स ऑफिस कलेक्शन जानने के लिए आगे पढ़ें। तरुण मनसुखानी के निर्देशन में बनी 'हाउसफुल 5' ने बॉक्स ऑफिस पर अपने पहले चार दिनों में अच्छी कमाई की है। कॉमेडी थ्रिलर फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर अपने चौथे दिन 100 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया। इंडस्ट्री ट्रैकर सैकनिलक के अनुसार, फिल्म ने अपने पहले दिन 24 करोड़ रुपये, दूसरे दिन 31 करोड़ रुपये, तीसरे दिन 32.5 करोड़ रुपये और पहले सोमवार को 13.50 करोड़ रुपये की कमाई की। वर्तमान में, अक्षय कुमार की इस फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 101 करोड़ रुपये है। सोमवार, 9 जून, 2025 को बॉलीवुड फिल्म ने कुल 19.78% हिंदी ऑक्यूपेंसी हासिल की। हिट कॉमेडी फ्रैंचाइजी 'हाउसफुल' की पाँचवीं किस्त, जिसका नाम 'हाउसफुल 5' है, में अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, संजय दत्त, जैकलीन फर्नांडीज, सोनम बाजवा, नाना पाटेकर, नरगिस फाखरी, जैकी श्रॉफ और अन्य प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

एलवेनिल वालारिवन ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में जीता ब्रॉन्ज मेडल

(एजेन्सी)।

म्यूनिख में आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में भारत की अच्छी शुरूआत हुई है। दरअसल, भारतीय शूटर एलावेनिल वालारिवन ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में ब्रान्ज मेडल जीता है। भारतीय निशानेबाज इलावेनिल ने 231.2 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। मंगलवार को म्यूनिख में आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में भारत की अच्छी शुरूआत हुई है। दरअसल, भारतीय शूटर एलावेनिल वालारिवन ने महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल में ब्रान्ज मेडल जीता है। 25 वर्षीय भारतीय निशानेबाज इलावेनिल ने 231.2 अंक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं चीन की 18 साल की वैंग झिफेई ने 252.7 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि कोरिया की क्वोन युनजी ने 252.6 अंक के साथ रजत पदक अपने नाम किया। इलावेनिल ने फाइनल में 10.7 अंक के साथ शुरूआत की और फिर अपने अगले प्रयास में 10.8 अंक जुटाए।

दो बार की ओलंपियन इलावेनिल शुरूआती पांच शॉट के बाद कोरिया की ओलंपिक चैंपियन युनजी से 0.3 अंक पीछे थी। वह 10.8 अंक के साथ शीर्ष पर पहुंची। इलावेनिल 12 शॉट के बाद 127.2 अंक के साथ शीर्ष पर थीं। इस समय वैंग दूसरे स्थान पर थी। यहां 2018 में हुए विश्व कप में चौथे स्थान पर रहीं इलावेनिल ने 10.7 अंक के साथ अपनी बढ़त बरकरार रखी।

हालांकि, भारतीय निशानेबाज इसके बाद 9.8 अंक के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गई और अंततः उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। इससे पहले क्वालीफिकेशन की छह सीरीज के बाद इलावेनिल 635.9 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। वैंग ने 637.9 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। नॉर्वे की जेनेट हेग डुएस्टेड 635.7 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। वैंग का स्कोर क्वालीफिकेशन का विश्व रिकॉर्ड है। युनजी क्वालीफिकेशन में 635.6 अंक के साथ चौथे जबकि तुर्की की एलिफ बेर्फिन अल्तुन (634.6) पांचवें स्थान पर रहीं।

चीन की विश्व और एशियाई चैंपियन हेन जिआयु ने 634.2 अंक के साथ छठे स्थान पर रहते हुए फाइनल में जगह बनाई। भारत की राष्ट्रीय चैंपियन अनन्या नायडू 632.4 अंक के साथ 15वें पायदान पर रहीं। केवल रैंकिंग अंक के लिए चुनौती पेश कर रहीं रमिता जिंदल ने 632.6 अंक के साथ 13वां स्थान हासिल किया।

मेघना सजनार (केवल रैंकिंग अंक) और आर्या बोर्से ने क्रमशः 25वां और 60वां स्थान हासिल किया।

जिला में जल जीवन मिशन के तहत 100 प्रतिशत कार्य पूरा: मोनिका

हर घर तक पहुंचाया जा रहा है स्वच्छ पेय जल

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। नगराधीश मोनिका ने कहा कि जिला में उपायुक्त उत्तम सिंह के मार्गदर्शन में हर घर तक स्वच्छ जल पहुंचाया जा रहा है, जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में 100 प्रतिशत प्रत्येक घर में नल से जल पहुंचाया जा चुका है।

नगराधीश मंगलवार को स्थानीय लघु सचिवालय के सभागार में जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक घर तक नल से जल पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित बैठक में अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दे रही थीं। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि जल जीवन मिशन के लक्ष्य को तय समय सीमा के अंदर एवं गुणवत्ता के साथ पूरा करें और पूरी जानकारी जल जीवन मिशन के पोर्टल पर अपडेट करें। उन्होंने कहा कि यह योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हर घर जल संकल्प का अहम हिस्सा है, जिसका लाभ हरियाणा के ग्रामीण परिवारों को मिल रहा है।

नगराधीश ने अधिकारियों को कहा कि नये नल कनेक्शनों की सतत निगरानी की जाए और यह भी सुनिश्चित किया जाए कि जल आपूर्ति में किसी प्रकार की कोई रूकावट न आए। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत जो कनेक्शन ग्रामीण क्षेत्रों में दिए हैं उनमें सप्लाई सही होनी चाहिए तथा यह भी सुनिश्चित करें कि पानी की पाईप लाईन में कोई समस्या न आए।

इससे पहले जल शक्ति मंत्रालय केंद्र सरकार के अतिरिक्त सचिव कमल किशोर सोन ने दिल्ली से वीसी के माध्यम से हरियाणा और उड़ीसा प्रदेश के कई जिलों के उपायुक्त एवं डीएम से जल जीवन मिशन के तहत हो रहे तथा किए जा चुके कार्यों की जानकारी ली और उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कमल किशोर सोन ने कहा कि अगर कोई नया प्रोपोजल है तो इसकी जानकारी विभाग को 30 जून 2025 तक भेज दें क्योंकि जल्द ही स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 शुरू होने वाला है। उन्होंने कहा कि पोर्टल पर सही जानकारी अपलोड करें तथा जो पाईप लाईन जमीन के नीचे हो उसी की जानकारी केवल अपडेट करें।

वीसी में नगराधीश ने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत 100 प्रतिशत कार्य ग्रामीण क्षेत्रों में, स्कूलों में और आंगनवाड़ी केंद्रों में पूरा किया जा चुका है। उन्होंने वीसी में बताया कि नल जल मित्रा एवं एसवीएसयू के तहत 189 पम्प ऑपरेटर्स को प्रशिक्षण दिया जा चुका है तथा जल जीवन मिशन में करीब 1878 किलोमीटर पाईप लाईन की व्यवस्था कर दी गई तथा उसकी जानकारी पीएम गति शक्ति पोर्टल पर अपडेट कर दी गई है।

नगराधीश मोनिका ने वीसी में अतिरिक्त सचिव को बताया कि जिला में जल जांच की कुल 3 लैब हैं जिनमें से एक प्रदेश स्तर की लैब है और एक असंध व एक इंद्री में है। उन्होंने बताया कि जल जीवन मिशन के तहत 427 गांवों के पानी की जांच की गई है तथा 418 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया है और पानी की जांच के 2369 सैंपल लिए गए हैं। उन्होंने अतिरिक्त सचिव को विश्वास दिलाया कि जल जीवन मिशन के तहत हो रहे कार्यों की लगातार समीक्षा की गई है और भविष्य में भी की जाएगी।

इस अवसर पर दिल्ली से वीसी के माध्यम से जल शक्ति मंत्रालय की उप सचिव तृप्ता कुमारी, पीएचईडी के कार्यकारी अभियंता संजय शर्मा, सलाहकार नेहा शर्मा भी उपस्थित थीं।

13265 साधकों को दिया गया योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण, लगाए गए 5010 पौधे: डॉ. सतपाल

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ0 सतपाल ने बताया कि जिला में 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को सफलतापूर्वक मनाने व हरित योग अभियान के तहत विभागीय निदेर्शानुसार विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में आज आयुष विभाग द्वारा दो कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें कुल 915 प्रतिभागियों ने भाग लिया एवं 200 पौधों का वितरण व पौधारोपण किया गया।

आयुष विभाग करनाल के योग विशेषज्ञ डॉ अमित पुंज ने बताया कि प्रथम कार्यक्रम सेक्टर-12 के फव्वारा पार्क में आयोजित किया गया जिसमें 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में आयुष विभाग करनाल के डॉक्टर फार्मासिस्ट, योग सहायक, योग इंस्ट्रक्टर शामिल रहे।

योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ ऊं के पवित्र उच्चारण व प्रार्थना के साथ किया गया, उसके बाद आसन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास करवाया गया। कार्यक्रम के अंत में आयुष विभाग द्वारा 180 पेड़-पौधों का वितरण व पौधारोपण किया गया जिसमें विभिन्न प्रकार के औषधीय पेड़ पौधे शामिल थे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम में मेरा मिशन स्वस्थ भारत के संस्थापक दिनेश गुलाटी व उनकी टीम से नीलम बठला, निधि गुप्ता, एनफ चौधरी, अजय एवं आयुष विभाग विभाग से ब्लॉक इंचार्ज डॉ नितिन रोहिला मौजूद रहे। आयुष योग सहायक प्रदीप व कुलदीप ने मंच पर योग प्रोटोकॉल का प्रदर्शन किया।

डॉ अमित पुंज ने बताया कि दूसरा कार्यक्रम जिला कारागार में जेल अधीक्षक लखबीर सिंह बराड़ की अध्यक्षता तथा डीएसपी चरण सिंह, डीएसपी शैलाक्षी भारद्वाज व डीएसपी विवेक सांगवान की देखरख में किया गया।

कार्यक्रम में 715 कैदियों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि योग सहायक गीता दहिया, कुसुम रानी द्वारा महिला कैदियों को तथा सोनू पाल द्वारा पुरुष कैदियों को अंतर्राष्ट्रीय योग प्रोटोकॉल का नियमित अभ्यास करवाया गया एवम 20 पौधों का वितरण एवं पौधारोपण किया गया। उन्होंने बताया कि जिला कारागार करनाल में 21 जून 2025 तक आयुष विभाग करनाल द्वारा विशेष योग शिविर लगाया जा रहा है। आयुष विभाग करनाल के ब्लॉक इंचार्ज डॉ नितिन रोहिला ने बताया कि आयुष विभाग करनाल को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के तहत सरकार द्वारा हरित योग अभियान में 50000 वृक्ष लगाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है जिसके तहत आयुष विभाग करनाल द्वारा बढ़ चढकर पौधारोपण व वितरण का कार्य किया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि पौधे लगाने के कई वैज्ञानिक लाभ होते हैं, जैसे कि हवा को शुद्ध करना, प्रदूषण कम करना, मिट्टी के कटाव को रोकना और जलवायु परिवर्तन को कम करते है। अतः हम सभी को अधिक से अधिक संख्या में पेड़ पौधे लगाने चाहिये।

पंजाब पुलिस द्वारा युवाओं को सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए समझौता

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने युवाओं को सशक्त बनाने और जनहितकारी पुलिसिंग की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, अपने कम्युनिटी अफेयर्स डिवीजन (सीएडी) और हारटेक फाउंडेशन के बीच एक समझौता किया है। इस समझौते का उद्देश्य पूरे प्रदेश में संवेदनशील और मार्गभ्रष्ट युवाओं को कौशल विकास, काउंसलिंग, जागरूकता, क्षमता निर्माण और सामुदायिक भागीदारी से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल करना है।

इस समझौते पर आज विशेष पुलिस महानिदेशक (विशेष डीजीपी), कम्युनिटी अफेयर्स गुरप्रीत कौर दियो और हारटेक फाउंडेशन की सीईओ हरकीरत कौर द्वारा हस्ताक्षर किए गए। यह रणनीतिक साझेदारी युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने वाली "युवा सांझ" पहल को सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से की गई है।

विशेष डीजीपी गुरप्रीत कौर दियो ने बताया कि हारटेक फाउंडेशन इस सहयोग के तहत पुलिस अधिकारियों और युवा सांझ समितियों के लिए नियमित प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यक्रम संचालित करके कम्युनिटी अफेयर्स डिवीजन को कार्यक्रम की प्रभावी और मानक कार्यान्वयन प्रक्रिया में समर्थन देगा। उन्होंने कहा कि यह पहल राज्यभर में एक प्रभावशाली और समरूप शुरूआत को सुनिश्चित करते हुए एक व्यापक रोडमैप के रूप में कार्य करेगी।

विशेष डीजीपी ने कहा, "युवा सांझ पहल का उद्देश्य पुलिस और विशेष रूप से उन युवाओं के बीच विश्वास पैदा करना है, जो खुद को अलग-थलग या कमजोर महसूस करते हैं। इस मंच के माध्यम से, हम सामुदायिक भागीदारी और युवा सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का प्रयास कर रहे हैं।" उन्होंने कहा कि इस साझेदारी का मकसद एक समावेशी, सुरक्षित और भागीदारी आधारित सामुदायिक वातावरण तैयार कर पुलिस और युवाओं के बीच संबंधों को मजबूत करना है। उन्होंने बताया कि दोनों संस्थाओं का लक्ष्य वंचित और जोखिमग्रस्त समुदायों तक पहुंच बनाकर उनमें नेतृत्व, नागरिक जिम्मेदारी और जीवनोपयोगी कौशलों को बढ़ावा देना है।

उन्होंने आगे बताया कि यह पहल कम्युनिटी अफेयर्स डिवीजन के नेतृत्व में पहले चरण में प्रदेश के चुने हुए जिलों में स्थानीय "सांझ केंद्रों" के माध्यम से शुरू की जाएगी। इस पहल के तहत, कौशल विकास और रोजगार आधारित कार्यक्रमों के जरिए संवेदनशील युवाओं को समाज की मुख्यधारा में लाने और उनके समुदायों पर सकारात्मक प्रभाव डालने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

बरसाती नालों की विशेष साफ-सफाई कर मनाया गया स्वच्छता पखवाड़ा: डॉ. वैशाली शर्मा

कर्ण कैनाल नाला की सफाई मुकम्मल, 16 डिस्पोजल पम्प का होगा संचालन और रख-रखाव

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। नगर निगम करनाल शहर में रोजाना स्वच्छता पखवाड़ा की गतिविधियों को आयोजित कर रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार को निगम क्षेत्र के सभी 20 वार्डों में अभियान के तौर पर नालों की सफाई एवं जल जमाव के संभावित क्षेत्रों की साफ-सफाई की गई। यह जानकारी नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने दी।

उन्होंने बताया कि हालांकि शहर में सभी बरसाती नालों की सफाई का कार्य पहले से ही जारी है, परंतु मंगलवार को स्वच्छता पखवाड़ा के तहत अभियान चलाकर विशेष साफ-सफाई करवाई गई है। इस दौरान निगम की स्वच्छ भारत मिशन-शहरी टीम के सदस्यों ने सभी वार्डों में जाकर सफाई अभियान चलाया। सम्बंधित वार्ड के कनिष्ठद अभियंता, ट्रीगर मास्टर गुरदेव सिंह तथा मोटीवेटर कुलदीप, महेन्द्र तथा दीपमाला ने अभियान चलाया और सफाई कार्य की निगरानी की।

बरसाती नालों की सफाई की जानकारी उन्होंने बताया कि कर्ण कैनाल (मुगल कैनाल) नाला के तीनो फेज की सफाई मुकम्मल हो चुकी है। इससे आगे ड्रेन नम्बर-1 के करीब एक-डेढ किलोमीटर के हिस्से की सफाई जोरों से करवाई जा रही है, जो करीब एक सप्ताह दिनों में पूरी हो जाएगी। इस कार्य में 2 पोकलेन मशीने लगी हुई हैं। राम नगर नाला की करीब 90 प्रतिशत सफाई हो चुकी है। इसके अतिरिक्त शहर में मौजूद सभी बड़े नालों की सफाई 60 प्रतिशत से अधिक हो चुकी है। शहर व गांवों में मौजूद छोटे नाले, नालियों व रोड साईड बर्म की सफाई सेनीटेशन विंग द्वारा करवाई जा रही है।

अमरूत लाईनो की सफाई जारी-निगमायुक्त ने बताया कि शहर में मौजूद अमरूत स्कीम में डली गई बरसाती पाईप लाईनों की सफाई भी करवाई जा रही है। उन्होंने बताया कि 12 किलोमीटर लम्बी लाईन में से 8 किलोमीटर लाईन की सफाई करवाई जा चुकी है। इसके अतिरिक्त स्टोरम वाटर के 4 आई.पी.एस. (इंटरमिडिएट पम्पिंग स्टेशन) तथा 4 आर.डब्ल्यू.एच. (रेन वाटर हार्वेस्टर) कार्यकुशल हैं।

डिस्पोजल पम्प को होगा संचालन और रख-रखाव-उन्होंने बताया कि शहर में मौजूद 16 डिस्पोजल पम्प के बरसाती सीजन में संचालन और रख-रखाव का टैण्डर दिया गया है, जिसमें एजेंसी की डी.जी. सेट, डीजल, मैनपावर, मशीनरी व मोटर खराब होने की सूरत में उसे ठीक करवाना इत्यादि शामिल है। इसके अतिरिक्त जल जमाव के संभावित क्षेत्रों की पहचान कर ली गई है। इन क्षेत्रों में चलने योग्य डीजल पम्प मौजूद रहेंगे, जो जरूरत पड़ने पर दूसरी जगह भी स्थानांतरित किए जा सकते हैं।

विधायक राजेंद्र गुर्जर ने जनसुनवाई में विभिन्न समस्याओं को लेकर अधिकारियों को जारी किए निर्देश

संजना भारती संवाददाता

टोंक। टोंक में जनसुनवाई के दौरान पधारे देवली उनियारा विधानसभा के कार्यकर्ताओं एवं जनता की विभिन्न मूलभूत क्षेत्रीय समस्याएं को सुना एवं तुरंत समस्याओं के निराकरण हेतु संबंधित टोंक में जनसुनवाई के दौरान पधारे देवली उनियारा विधानसभा के कार्यकर्ताओं एवं जनता की विभिन्न क्षेत्रीय समस्याएं को सुना एवं तुरंत समस्याओ के निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को अवगत कराकर त्वरित करवाई के दिशा निर्देश दिए। देवली उनियारा विधानसभा विधायक राजेंद्र गुर्जर समस्त जनता जनार्दन की समस्याओं का निराकरण ही मेरा प्रथम ध्येय है और रहेगा।

हास्य-व्यंग्य के कवि सीताराम शेरपुरी को पटना से आमंत्रण

संजना भारती संवाददाता

बेगूसराय। अंतरराष्ट्रीय साहित्य समूह काव्य हिन्दुस्तान द्वारा पटना के बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में तरुण सांस्कृतिक चेतना समिति के संरक्षक सह संस्थापक समस्तीपुर जनपद के हास्य-व्यंग्य के मशहूर

कवि सीताराम सीताराम को आमंत्रित किया गया है। वे 29 जून को कवि सम्मेलन की संचालन करेंगे। तथा सम्मानित होंगे। इस अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में देश के विभिन्न क्षेत्रों से कवियों एवं शायरों का आगमन हो रहा है। श्री शेरपुरी की इस उपलब्धि पर लोग खुशी का अनुभव कर रहे हैं। उन्हें बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। बधाई देने वालों में डॉ. महेशचंद्र चौरसिया, प्रो. सत्यसंध भारद्वाज, श्रीराम राय, देवनीति राय, रंजना लता, अर्चना चौधरी, शौरव वाचस्पति, प्रवीण कुमार चुन्नू, गणेश गिरी आदि ने बधाई दी।

सिख पंथ की चढ़दीकला और गुरूद्वारों की सेवा संभाल के लिए गणमान्य लोगों ने दिए सुझाव

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। नौंवी पातशाही शीशगंज गुरूद्वारे में सिख पंथ की चढ़दीकला और गुरूद्वारों की सेवा संभाल को लेकर गणमान्य लोगों की एक बैठक आयोजित हुई। जिसका नेतृत्व हरियाणा सिख गुरूद्वारा मैनेजमैंट कमेटी के सदस्य प्रतिनिधि एवं सरपंच एसोसिएशन नीलोखेड़ी के प्रधान भूपेंद्र सिंह लाडी ने की। बैठक में नीलोखेड़ी, निगदू और इंद्री क्षेत्र व ग्रामीण इलाकों से भी गणमान्य ओर बुद्धिजीवी लोगों ने हिस्सा लिया। जिन्होंने सिख पंथ की मजबूती समेत कई मुद्दों पर अपने सुझाव दिए। मंच संचालन कथावाचक प्रगट सिंह ने किया।

गुरूद्वारे में हुई मीटिंग के दौरान पंजाबी भाषा, स्कूलों की दुर्दशा, शिक्षा ओर स्वास्थय व्यवस्था में बदलाव लाने ओर इन्हें ओर ज्यादा बेहतर बनाने को लेकर सुझाव मांगे गए। पूजम के पूर्व सरपंच अमरजीत सिंह, खजान सिंह रमाना, गुरमुख सिंह गोरगड, कंवलजीत सिंह सिद्धपुर, अंग्रेज अंजनथली, मुख्तयार सिंह, गुरयाल कलरी, छबेग सिंह चोगवां, गुरबाज सिंह पटहेड़ा, ज्ञानी तखविंदर सिंह दरड़, हरमीत सिंह, पार्षद प्रतिनिधि लखविंदर, अशोक हांडा, सुखविंदर सिंह चट्ठा व बलबीर सिंह मारवाह ने सुझाव रखे। जिस पर मैनेजमैंट कमेटी के सदस्य प्रतिनिधि एवं सरपंच एसोसिएशन नीलोखेड़ी के प्रधान भूपेंद्र सिंह लाडी ने आश्वासन दिया कि इन सभी सुझावों को मैनेजमैंट कमेटी ओर प्रदेश सरकार के समक्ष रखा जाऐगा, ताकि इन पर कार्य करवाया जा सके। बैठक के दौरान जानकारी देते हुए प्रतिनिधि भूपेंद्र सिंह लाडी ने बताया कि पंजाबी भाषा को पूर्ण तौर पर लागू करने के लिए प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी से मुलाकात की जाऐगी। श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350 साला शताब्दी समागम को पूरी दुनिया मे धूमधाम से बड़े स्तर पर मनाया जाना चाहिए, जिसमे प्रदेश सरकार भी अहम भूमिका अदा करें। उन्होंने बताया कि हरियाणा सिख गुरुद्वारा मैनेजमेंट कमेटी शिक्षा और स्वास्थ्य को लेकर बेहतर कदम उठाऐगी। समुदाय के गणमान्य लोगों को संबोधित करते हुए लाडी ने कहा कि सिख कौम चढ़दीकला में रहे, गुरुओं, सन्तो की कुर्बानियों को याद रखे, उनके दिखाए मार्ग पर चले, इसके लिए जागरूक करना भी बेहद जरूरी है।

बैठक में गणमान्य लोगों ने सुझाव दिए कि तरावड़ी में जीटी रोड़ की एंट्री ओर सौंकड़ा पुलिया पर श्री गुरु तेग बहादुर जी द्वार बनाया जाए। तरावड़ी में तखाना ओर अंजनथली रोड तक जोड़ा जाए, इस पर नया बाईपास बनाया जाए। भूपेंद्र सिंह लाडी ने सुझाव सुनते हुए कहा कि इन सभी मांगों के बारे में प्रदेश सरकार के मांग की जाऐगी।

पंचकूला जिले के सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने जजपा राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष दुष्यंत चौटाला का आभार जताया

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

पंचकूला। पंचकूला की रहने वाली किरण पूनिया जो जजपा महिला विंग की प्रदेश प्रभारी बनाई गई है, मयंक लांबा हल्का कालका जजपा का प्रधान बनाया गया है, बलवंत राणा कालका हल्के का प्रभारी बनाया है एवं सोहनलाल गुजर जो हल्का पंचकूला का अध्यक्ष बनाया गया है ने पंचकूला जजपा जिला अध्यक्ष ओ पी सिहाग के साथ जाकर जजपा के नवनियुक्त राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला से उनके सेक्टर 21 निवास स्थान पर मिलकर उनको अपनी नियुक्ति के लिए बुके देकर तथा मुहँ मीठा कराकर धन्यवाद किया तथा भरोसा दिलाया कि वो सभी पार्टी को मजबूत करने के लिए पूरी मेहनत करेंगे।

दुष्यंत चौटाला ने आए हुए सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को मुबारकबाद देते हुए कहा कि आप सभी जिला पंचकूला में पार्टी के संगठन को मजबूत करने के लिए हर गांव तथा वार्ड में जाकर नए लोगों को साथ जोड़े तथा 15 जून से प्रारम्भ हो रहे पार्टी के सदस्यता अभियान को पूरी लगन तथा मेहनत से सफल बनाने का काम करे। इस अवसर पर पार्टी के वरिष्ठ नेता सुरजीत सिंह सोण्डा, पार्टी के प्रदेश संगठन सचिव रणधीर चीका, पार्टी के नवनियुक्त राष्ट्रीय कार्यालय सचिव धर्मवीर सिहाग, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रणधीर सिंह झाजड़ा, पार्टी के प्रदेश कार्यालय सचिव रविन्द्र सांगवान, पार्षद राजेश निषाद, पार्टी के वरिष्ठ नेता के सी भारद्वाज, सुरिन्दर चड्ढा, ईश्वर सिंहमार, नरेंद्र जैन, जितेन्द्र संधू, जिला प्रवक्ता सुरेश पाठक, हनी सिंह, गुरबचन पुंज, गुरदेव सिंह, सतविंदर सिंह, प्रतीक अहलावत, सरोज लूथरा, मिलन संधू, महाबीर सिंह, मिल्कियत मीठु सहित बहुत बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पंजाब सरकार ने बिना किसी कट के बिजली की उच्च माँग पूरी की: हरभजन सिंह ई. टी. ओ.

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने राज्य में बिजली क्षेत्र से जुड़ी एक अहम और ऐतिहासिक प्राप्ति को अपने नाम करते हुये आज तारीख 10 जून 2025 को बिजली की सबसे अधिक माँग 16,192 मेगावाट को बिना किसी तरह के कट लगाए सफलतापूर्वक पूरा किया, जिससे राज्य ने 29 जून, 2024 को 16,058 मेगावाट बिजली माँग के पिछले साल के रिकार्ड को पार कर लिया।

भारत की आजादी के बाद पहली बार किसी भी क्षेत्र में बिना बिजली कट लगाए यह मील का पत्थर स्थापित किया गया है। बिजली मंत्री हरभजन सिंह ने इस सफलता का श्रेय मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के योग्य नेतृत्व को देते हुये कहा कि उनके निदेर्शों पर धान की बीते वर्षों की अपेक्षा समय से पहले बुवाई और ऊर्जा बुनियादी ढांचे में बेहतरीन तालमेल के साथ ही यह प्राप्ति संभव बनी है।

पंजाब स्टेट पावर कारपोरेशन लिमटिड (पीऐसपीसीऐल) ने इस उपलब्धी को प्राप्त करने में अहम भूमिका निभाई। राज्य में 9 जून, 2025 को भयानक गर्मी के कारण रिकार्ड तोड़ बिजली की माँग समय से पहले धान की बुवाई के आखिरी पड़ाव के शुरू होने के केवल एक दिन बाद आई। बताने योग्य है कि इस साल राज्य सरकार ने 1 जून से बुवाई करने का फैसला लिया था। पीऐसपीसीऐल द्वारा सूझवान और रणनीतिक पहल स्वरूप राज्य अगले दिन ही अपने ही पिछले माँग रिकार्ड को तोड़ने में सफल रहा।

हरभजन सिंह ई. टी. ओ. ने राज्य के अंदर से और बाहर से बिजली उत्पादन स्त्रोतों के प्रभावशाली एकीकरण, अंतरराज्यीय पावर बैंकिंग और ट्रांसमिशन नैटवर्क के सर्वोत्तम प्रयोग की सराहना की। उन्होंने जोर देकर कहा कि समन्वित यत्नों स्वरूप उच्च माँग पर भी कृषि, रिहायशी, व्यापारिक और औद्योगिक क्षेत्रों को निर्विघ्न बिजली स्पलाई को यकीनी बनाया गया।

कृषि खपतकारों को बिना किसी अन्य क्षेत्र की कटौती के इलावा रोजमर्रा के आठ घंटे से अधिक निरंतर बिजली स्पलाई मिल रही है। बिजली मंत्री ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक पल है। आजादी के बाद पहली बार पंजाब ने बिजली कट लगाए बिना सीजन के दौरान अपनी उच्च बिजली माँग के योग्य ढंग से प्रबंधन किया है। उन्होंने पी. एस. पी. सी. एल. के सी. एम. डी. अजोए कुमार सिन्हा, बोर्ड आफ डायरेक्टर्स और सभी कर्मचारियों का उनके समर्पण और बिजली स्पलाई प्रणाली के कुशल प्रबंधन के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने आगे कहा कि उनकी सख़्त मेहनत और तैयारी ने हर क्षेत्र खास कर धान के सीजन के दौरान किसानों को विश्वसनीय बिजली स्पलाई को यकीनी बनाया है।

यह प्राप्ति बिजली बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और सेवा प्रदान करने में सुधार करने के प्रति राज्य सरकार की वचनबद्धता को दशार्ती है। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व अधीन पंजाब सरकार द्वारा लागू की गई जन हितैषी योजनाओं के नतीजों स्वरूप ही पंजाब राज्य ऊर्जा आत्म-निर्भरता की दिशा की तरफ सफलतापूर्वक बढ़ रहा है।

बिजली मंत्री ने कहा कि ऐसे मील का पत्थर पंजाब के उद्योग अनुकूल माहौल के प्रति निवेशकों के विश्वास को बढाते है और राज्य निवासियों के लिए जीवन की गुणवत्ता में बढ़ोतरी करती है। उन्होंने आगे कहा कि यह मील का पत्थर दशार्ता है कि दूरदर्शी नेतृत्व और प्रभावशाली कार्यान्वयन के साथ बिजली चुनौतियों को भी महत्वपूर्ण उपलब्धियों में बदला जा सकता है।

जिला में यमुना के बांधो पर बाढ़ से बचाव का कार्य जारी, 17-18 करोड़ रुपये होंगे खर्च: हरविन्द्र कल्याण

बारिश से पहले अधिकारियों को अलर्ट रहने के दिए निर्देश, जल्द से जल्द काम को करें पूरा

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा है कि यमुना के पानी से बाढ़ बचाव के लिए जिला में छह स्थानों पर काम जारी है जो 30 जून तक पूरा कर लिया जाएगा। इस कार्य पर करीब 17-18 करोड़ रुपये खर्च होंगे। उन्होंने यह जानकारी मंगलवार को गांव ढाकवाला और गांव सदरपुर में यमुना बांध पर चल रहे कार्यों का जायजा लेने के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान दी। सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ढाकवाला में 6 नए स्टड और स्टोन रिवेटमेंट का कार्य जारी है। इस पर तीन करोड़ खर्च होंगे जबकि सदरपुर में 6 पुराने स्टड्स की मरम्मत की जाएगी और इस कार्य पर एक करोड़ 28 लाख रुपये खर्च होंगे। इसके साथ-साथ अधिकारियों को बाढ़ से पहले अलर्ट रहकर कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि हर वर्ष यमुना सहित अन्य स्थानों पर बाढ़ से बचाव कार्यों की निगरानी की जाती है। जहां-जहां जरूरत होती है वहां सरकार बाढ़ से बचाव की परियोजनाओं को मंजूर करती है और इन्हें बारिश सीजन के पहले पूरा किया जाता है। पहाड़ों पर अधिक बारिश के कारण पिछले सालों में इस जिला के यमुना बेल्ट के गांवों को बाढ़ का सामना करना पड़ा था। इंद्री की तरफ एक जगह यमुना का बांध टूट भी गया था जिससे बहुत भारी नुकसान हुआ था। तीन ऐसे स्थान थे जहां यमुना टूटने के कगार पर थी। अतीत के अनुभव को ध्यान में रखते हुए पिछले साल भी यमुना के सभी कमजोर किनारों को मजबूत किया गया। जरूरत अनुसार स्टड बनाये गये और पत्थर का पुश्ता (स्टोन रिवेटमेंट) लगाया गया।

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि पिछले साल जिला में 6 ऐसे स्थानों की पहचान की गई जहां नए स्टड या रिवेटमेंट की जरूरत थी। इन सभी स्थानों पर काम जारी है। निर्माण स्थलों पर 70 से 80 प्रतिशत सामग्री पहुंच चुकी है। भरसक प्रयास है कि 30 जून से पहले बाढ़ से बचाव के सारे कार्य पूरे कर लिए जाएं। अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए हैं कि किसी भी प्रकार की आपात स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन से तालमेल कर पहले ही अग्रिम योजना तैयार कर ली जाए ताकि दो साल पहले जैसी स्थिति का सामना न करना पड़े। उस समय सामग्री की उपलब्धता में परेशानी का सामना करना पड़ा था और एनएफएल, थर्मल आदि से पत्थर मंगवाना पड़ा था।

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने बताया कि जिला में विभिन्न स्थानों पर 17-18 करोड़ की लागत से बाढ़ बचाव के कार्य जारी हैं। दौरा करने के पीछे मुख्य मकसद धरातल पर ग्रामीणों से भी जानकारी प्राप्त की जाए। ग्रामीणों द्वारा दिए जाने वाले सुझाव काफी कारगर होते हैं। अगर कोई नया विषय सामने आता है तो विभाग को उस बारे में अवगत कराया जाता है। विभाग जांच के बाद जहां जरूरत होती है उस पर अमल भी करता है। गत वर्ष केवल लालुपुरा के साथ यमुना के तटबंध को मजबूत करने के लिए करीब 13 करोड़ के कार्य कराए गए थे। सभी कार्य की गुणवत्ता बेहतर थी। कई बार यमुना का बहाव बदलने के कारण चुनौती का सामना करना पड़ता है। पिछले अनुभव को ध्यान में रखते हुए विभाग ने अच्छा कार्य किया। भेजे गए सभी प्रोजेक्ट्स को सरकार ने मंजूरी दी है। वे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का आभार जताते हैं, उनकी अध्यक्षता में बाढ़ नियंत्रण बोर्ड की बैठक में इन कार्यों को स्वीकृति मिली है। उन्होंने कहा कि वे गंगा व यमुना मैया से प्रार्थना करते हैं कि चारों ओर सुख शांति रही।

जगप्रीत सिंह कैप्टेन ने रचा इतिहास बने कॉमनवेल्थ चैंपियन

5 गोल्ड मैडल जीते और बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड

संजना भारती संवाददाता

असंध। इंग्लैंड के रग्बी बट्स स्टेडियम कोवेंट्री शहर मैं चल रही 5 दिवसीय यूरोपियन और कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप 6,7,8,9,10 /06/2025 में भारत के जगप्रीत सिंह कैप्टेन ने 227.5 किलोग्राम वजन उठा कर 5 गोल्ड मेडल जीते व विश्व रिकॉर्ड भी भारत के नाम किया। खिलाड़ी ने भारत के साथ जिला करनाल व असंध का नाम रोशन किया है। दैनिक संजना भारती जिला ब्यूरो प्रमुख निर्मल कुमार से भारतीय खिलाड़ी जगप्रीत सिंह कैप्टेन ने फोन पर बताया कि वर्ल्ड पावरलिफ्टिंग यूनियन और ब्रिटिश पावरलिफ्टिंग फेडरेशन द्वारा आयोजित 5 दिवसीय यूरोपियन और कॉमनवेल्थ गेम का आयोजन किया क्या गया। जिसमे 31 देशों ने भाग लिया। जिसमे भारत के जगप्रीत सिंह कैप्टन ने मास्टरमैन केटगिरी 40-44 साल में शानदार प्रदर्शन करते हुए, 227.5Kg डेडलिफ्ट, 112.5 kg बेंचप्रेस और 41.5 kg वजन उठा कर कॉमनवेल्थ चैंपियन और वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम किए।

विधायक असंध योगेंद्र राणा व हरियाणा के पूर्व खेल मंत्री संदीप सिंह ने फोन पर कैप्टेन को शुभकामनाएं दी हैं। कैप्टेन, भारत के हरियाणा प्रदेश के जिला करनाल छोटे से शहर असंध के सिख परिवार मे पैदा हुए। आम सरकारी स्कूल में पढे हुए विद्यार्थी है। उन्होंने पहले भी भारत का नाम रोशन किया है। वर्ल्ड और इंटरनेशनल चैंपियन बनकर, इस वक्त रॉ-पावरलिफ्टिंग फेडरेशन इंडिया के चेयरमैन व प्रेसिडेंट भी हैं और असंध शहर में उनका अपना द-कैप्टेन जिम व पावरलिफ्टिंग ऐक्डेमी है। इस जीत पर उनके घर में परिवार व पिता सरदार कुलदीप सिंह को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। 12 जून को वे वापिस भारत लौटेंगे।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र संजना भारती की ओर से जिला ब्यूरो प्रमुख कैथल निर्मल कुमार व पूरी टीम ने इस एतिहासिक जीत पर कैप्टन व पूरे परिवार को बधाई व शुभकामनाएं दी हैं।

जेसी महाविद्यालय में नए सत्र को लेकर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन जारी: डॉ. रेखा शर्मा

संजना भारती संवाददाता

असन्ध। जीवन चानन स्नातकोत्तर महिला महाविद्यालय में नए सत्र को लेकर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन जारी है। दाखिले को लेकर छात्राओं में उत्साह है। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रेखा शर्मा ने बताया कि उच्चतर शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों को एक बार फिर से कॉलेज में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करने के लिए आदेश जारी किए हैं। आदेश में विद्यार्थियों को 16 जून तक पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करने के निर्देश दिए गए हैं। उच्चतर शिक्षा विभाग की ओर से जल्दी ही नया शेड्यूल जारी किया जाएगा। इससे पहले 9 जून तक कॉलेज में ऑनलाइन आवेदन किए जाने थे। अब यह बढ़ाकर तिथि 16 जून तक कर दी गई है। महाविद्यालय में छात्राओं में दाखिला प्रक्रिया को लेकर के उत्साह का वातावरण बना हुआ है। महाविद्यालय में नए-नए विषयों की जानकारी के लिए दाखिले को सफलतापूर्वक करने के लिए

अलग-अलग समितियां का गठन किया गया है। जिससे छात्राओं को किसी प्रकार की भी असुविधा का सामना न करना पड़े। छात्राओं को आवेदन करते समय किसी तरह कठिनाई न हो उसके लिए कॉलेज में हेल्प डेस्क लगाए गए हैं ताकि छात्राएं महाविद्यालय में आकर के आवेदन कर सके।

कॉलेज वेबसाइट पर भी संपर्क साधने के लिए हेल्पलाइन नंबर दिया गया है। जिसके माध्यम से छात्रा किसी भी तरह की सूचना प्राप्त कर सकती हैं। दाखिला नोडल अधिकारी डॉक्टर रेखा बंसल ने बताया कि ऑनलाइन आवेदन करने के लिए छात्राओं के लिए परिवार पहचान पत्र, जरूरी है। इसको भरने के बाद ही आईडी पासवर्ड अपडेट होगा। इसी के साथ आधार कार्ड, 10वीं और 12वीं का प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज फोटो, इनकम सर्टिफिकेट, रिहायशी प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, पासपोर्ट साइज दो फोटो पंजीकरण के लिए जरूरी है। छात्राओं के पास स्थाई ईमेल आईडी मोबाइल नंबर हो क्योंकि 3 साल तक इसी नंबर पर ईमेल आईडी की जरूरत पड़ेगी।

नशे से दूर रहकर राष्ट्र निर्माण में योगदान दे युवा: बीके सरिता

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। युवाओं को नशे से दूर करने के लिए समाज को जागरूक करना जरूरी है। नशे से दूर रह कर युवा राष्ट्र निर्माण में योगदान दे। हमें नशे की प्रवृति रोकने के लिए लोगों को सरलता से जागरूक करना है। नशे में चूर व्यक्ति अपने जीवन के साथ अपने परिवार के जीवन को भी खतरे में डाल रहा है इसलिए नशे को त्यागकर हमें समाज के निर्माण में अहम भूमिका निभानी होगी।

उपरोक्त विचार बीके सरिता ने कहे। नशा मुक्ति के लिए अध्यात्म और मेडिटेशन से जुड़ना होगा। नशा किसी भी व्यक्ति के जीवन, परिवार और समाज को बर्बाद कर देता है। उन्होंने बताया कि राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से व्यक्ति नकारात्मकता से बाहर निकलकर सकारात्मक जीवन जी सकता है। ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा तैयार राजयोग मेडिटेशन को नियमित करने से नशा से मुक्ति पाना संभव है। किसी एक व्यक्ति कि नशे की लत से परिवार और समाज पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है, इसलिए किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहना ही इसका सर्वोत्तम इलाज है। उन्होंने कहा कि नशामुक्ति अभियान को जन आंदोलन का रुप दिया जाना आज जरुरी है।

डीसी कैथल प्रीति ने किया नेक काम

दिव्यांग विद्यार्थी ने डीसी से लगाई गुहार, डीसी ने तुरंत दिलवा दी विद्यार्थी को ई-ट्राइसाइकिल

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी कैथल प्रीति ने बरटा गांव के दिव्यांग विद्यार्थी अमन को ई-ट्राइसाइकिल प्रदान की। वह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय धनौरी स्कूल में 12वीं कक्षा का विद्यार्थी है। स्कूल आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता था। मंगलवार को अमन परिजनों के साथ डीसी कार्यालय में आया और अपनी परेशानी को डीसी प्रीति के समक्ष रखा। डीसी ने तुरंत संज्ञान लेते हुए जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सचिव रामजी लाल को मौके पर बुलाया और अमन को ई-ट्राइसाइकिल व एक अच्छा पेन भेंट किया।

ई-ट्राइसाइकिल पाकर अमन व उनके परिजनों के चेहरे पर मुस्कान आ गई। डीसी प्रीति ने यह ई-ट्राइसाइकिल दिव्यांग अमन को शिक्षा प्राप्त करने और समाज में सक्रिय रूप से भाग लेने में मदद करेगी। वह अब किसी पर निर्भर नहीं रहेगा। दिव्यांगों को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए सरकार व जिला प्रशासन हर संभव प्रयास कर रहा है। उपायुक्त कैथल प्रीति ने दिव्यांग विद्यार्थी को ई-ट्राइसाइकिल दिलवा कर एक नेक काम किया है। उपायुक्त के इस कार्य की चारों ओर प्रशंसा हो रही है।

डीसी ने किया शहर की ड्रेनों व नालों का निरीक्षण

'बारिश के सीजन में नागरिकों को नहीं होनी चाहिए किसी प्रकार की परेशानी'

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने मंगलवार सुबह कैथल शहर की छोटी-बड़ी ड्रेनों व नालों का निरीक्षण किया और साफ-सफाई कार्य सहित बाढ़ राहत के लिए किए जा रहे कार्यों को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने नगर निकाय विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि ड्रेनों व नालों की सफाई कार्य की स्वयं मॉनिटरिंग करें और सफाई कार्य में तेजी लाएं। नालों में गोबर डालने वाले लोगों को नोटिस जारी करते हुए नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाएं। उन्होंने कहा कि आगामी मानसून में आमजन को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए जिला प्रशासन प्रतिबद्ध है। इसको लेकर पिछले चार दिनों से विभिन्न क्षेत्रों का दौरा किया जा रहा है।

डीसी प्रीति ने कहा कि जहां पर हर वर्ष जलभराव की स्थिति पैदा होती है, उन पर विशेष फोकस करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि मानसून से पहले हर हालत में ड्रेनों व नालों की सफाई हो जानी चाहिए। इसके लिए जो भी मशीनरी इस्तेमाल करनी है,

उसे लगाएं। सफाई कार्य गुणवत्ता पूर्ण होना चाहिए, ताकि बारिश के सीजन में पानी की निकासी में किसी प्रकार की कोई बाधा न पहुंचे। इस कार्य में लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डीसी प्रीति ने सबसे पहले मानस ड्रेन के ढांड रोड पर शुरूआती प्वाइंट का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने कवर एरिया में ड्रेन की सफाई के निर्देश दिए। इसके साथ ही नाले में गोबर डालने वालों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इसके बाद भगवान परशुराम चौक पर निरीक्षण किया गया, जहां ड्रेन की सफाई का कार्य संतोषजनक नहीं पाया गया। साथ ही यहां नाले बंद मिले। इसके बाद डीसी प्रताप गेट पर श्मशान घाट के सामने एकत्रित पानी की निकासी कार्य का निरीक्षण किया।

प्रताप गेट पर दोनों साइड के नालों की नियमित सफाई के निर्देश दिए। इसके बाद चंदाना गेट पर बंद पड़े नाले को लेकर उन्होंने नप अधिकारियों को निर्देश दिए कि जल्द से जल्द ये नाले खुलवाएं जाएं। उन्होंने रेलवे गेट पर नाले के बिल्कुल ऊपर कचरा डंपिंग प्वाइंट को लेकर कहा कि हर रोज समय से कचरा उठ जाना चाहिए और जहां से नाले ओपन हैं, उनके ऊपर ऐसे कचरा प्वाइंट न हों। उन्होंने यहां नालों की उचित सफाई के निर्देश दिए। इसके बाद भगत सिंह चौक का निरीक्षण किया, जहां दुकानों के बाहर रैंप से नाले कवर किए हुए मिले, साथ ही नालों की सफाई भी संतोषजनक नहीं मिलीं। डीसी ने निर्देश दिए कि जल्द से जल्द इसकी सफाई की जाए, चाहे रैंप को तोड़ना पड़े। इसके बाद डीसी प्रीति श्री ग्यारह रुद्री मंदिर के पीछे अन्न देव तालाब पर पहुंची और यहां पर चल रहे कार्य की रिपोर्ट कार्यालय में तलब की। डीसी प्रीति ने कहा कि निरीक्षण में पाया गया है कि सफाई कार्य में सुधार की आवश्यकता है। डीएमसी सहित अधिकारियों को नालों की समय रहते सफाई के निर्देश दिए गए हैं। निरीक्षण में यह भी देखने में आया है कि लोगों ने फड़ों को बड़ा कर कई जगह नालों को कवर कर दिया है, जिसकी वजह से कई जगह चौकिंग प्वाइंट बने हुए हैं, और तेज बारिश आने पर वहां पर जलभराव की समस्या हो सकती है। इसको लेकर संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए गए हैं कि मानसून से पहले सभी नालों की सही तरीके से सफाई हो जाए। इसके अलावा खुले नालों के पास कचरे के डंपिंग प्वाइंट पाए गए, जिसको लेकर उन्हें हटाने के निर्देश भी दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि जलभराव की समस्या और मानसून के आने से पहले नालों व ड्रेनों की सही तरीके से सफाई करना सभी संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। पिछले चार दिनों से जिले के अलग अलग हिस्सों में जाकर इनका निरीक्षण किया गया है और भविष्य में भी यह जारी रहेगा।

इस अवसर पर डीएमसी सुशील कुमार, नगर परिषद ईओ दीपक कुमार, सचिव भानू शर्मा सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

योगशील व्यक्ति पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होता है: भारत भूषण

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। वेबिनार और कलमकार समूह के तत्वावधान में 'योग और पर्यावरण का संबंधः एक चिंतन' विषय पर वेबिनार आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन संस्कृत प्राध्यापक व साहित्यकार भारत भूषण वर्मा ने किया उन्होंने परिचर्चा के दौरान अपनी बात रखते हुए कहां कि योगशील व्यक्ति पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होता है। मनुष्य को अष्टांग योग का पालन करते हुए पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपना दायित्व को ईमानदारी से निभाना चाहिए। योग के माध्यम से जहां शारीरिक एवं मानसिक शुद्धि होती है वही प्रकृति से जुड़े होने के कारण पर्यावरण शुद्धि भी छुपी रहती है।

दिल्ली से योग प्रशिक्षिका मधु शर्मा ने बताया कि योग जीवन को प्रकृति से जोड़कर सुंदर बनाता है वास्तव में यही उत्तम जीवन-शैली पर्यावरण को सुंदर स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाती है। करनाल से कॉलेज-प्राचार्या एवं मेजर अनीता जून ने वर्तमान स्थितियों पर चिंता जाहिर करते हुए योग और पर्यावरण जैसी गतिविधियों के माध्यम से युवा पीढ़ी को जोडने की बात कही।

दिल्ली से प्रो. कुलविंदर सिंह ने योग और प्रकृति के संबंध को अटूट बताते हुए पर्यावरण को बचाने का संदेश दिया। नोएडा से मुकेश भटनागर ने अनेक दृष्टांतों के माध्यम से योग और प्रकृति का समन्वय स्थापित किया तथा इसकी सार्वभौमिकता को आत्मसात करने का संदेश दिया। दिल्ली से पूनम भटनागर ने भी योग और पर्यावरण को एक ही सिक्के के दो पहलू बताते हुए प्रकृति की रक्षा का आह्वान किया। अंत में संयोजक भारत भूषण वर्मा ने सभी के धन्यवाद से कार्यक्रम का समापन किया।

डोर-टू-डोर जाकर नशा करने वालों की पहचान करके, काउंसलिंग करवाकर उपचार के लिए प्रेरित करेगी पुलिस टीमें

'नशा तस्करों का डाटा तैयार करके की जाएगी कार्रवाई'

डोर-टू-डोर अभियान तहत आमजन को नशा ना करने बारे जागरूक करती पुलिस टीम। (छाया: एसबी)

मुख्य बिंदु

- घर-घर जाकर नशा करने वालों की पहचान।
- जरूरतमंदों को नशा मुक्ति की दिशा में मार्गदर्शन व उपचार हेतु प्रेरित करना।
- नशा तस्करों का डाटा तैयार कर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई।
- समाज को नशा मुक्त बनाने की दिशा में एक मजबूत कदम।
- एसपी आस्था मोदी ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे इस अभियान में सहयोग करें और नशे से जुड़ी कोई भी सूचना नजदीकी पुलिस स्टेशन या हेल्पलाइन नंबर पर साझा करें। यह पूरी प्रक्रिया गोपनीयता और संवेदनशीलता के साथ की जाएगी। पुलिस का विभाग का उद्देश्य जिला को नशा मुक्त बनाना है।

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। जिला पुलिस द्वारा एसपी आस्था मोदी के कुशल नेतृत्व में नशे के खिलाफ एक सशक्त अभियान की शुरूआत की जा रही है। जिसके तहत नशा जागरूकता टीम में शामिल एसआई कर्मबीर, एएसआई ओमप्रकाश, एचसी सुनील कुमार, महिला सिपाही किस्मत, एसपीओ राजपाल तथा एसपीओ प्रदीप कुमार की टीम घर-घर जाकर नशा करने वालों की पहचान करेगी। इस अभियान का उद्देश्य नशा करने वालों को अपराध की दुनिया से दूर करना तथा उन्हें स्वस्थ जीवन की ओर प्रेरित करना है। इस अभियान के अंतर्गत पुलिस नशा करने वाले व्यक्तियों की काउंसलिंग कर उन्हें नशा मुक्ति केंद्रों या सिविल अस्पताल से जोड़कर उन्हें उचित दवाइयां दिलवाने में सहायता करेगी। इसके साथ ही, नशे के अवैध व्यापार में लिप्त तस्करों की पहचान कर उनका डाटा तैयार किया जाएगा और उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंगलवार को उक्त पुलिस टीम द्वारा थाना सीवन क्षेत्र अंतर्गत नागल, पोलड़, मांझला व सीवन में नशा जागरूकता अभियान चलाया गया।

पिछले 11 साल में सुशासन ने बदली भारत की तस्वीर: राजेश नागर

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार के खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री राजेश नागर ने विभागीय अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि वह समय पर पूरा राशन डिपो तक पहुँचाने की व्यवस्था करें जिससे कि उपभोक्ता को किसी प्रकार की कोई दिक्कत पेश न आए। मंत्री श्री राजेश नागर ने बैठक उपरांत पत्रकारों को बताया कि खाद्य आपूर्ति की व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन हुए हैं, लेकिन मौजूद अन्य शिकायतों को दूर करने के लिए भी आज बैठक की गई है। उन्होंने बताया कि इस महीने का राशन 30 मई तक सभी डिपो में पहुंच चुका था, केवल दो प्रतिशत दुकानों में किसी कारण से आपूर्ति में बाधा आई है। उसे भी हम जल्द ही दूर कर लेंगे। उन्होंने बताया कि अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि राशन डिपो पर पूरा राशन एक साथ पहुंचे, जिससे कि उपभोक्ताओं को चक्कर नहीं लगाना पड़े। श्री नागर ने कहा कि कई बार आपूर्ति न होने के कारण अनाज और तेल अलग-अलग समय पर पहुंचता है, जिससे उपभोक्ता को राशन के लिए चक्कर लगाने पड़ते है, लेकिन अब ऐसा नहीं होगा। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने बताया कि विभाग को पता चला है कि करीब चार लाख राशन कार्ड धारकों ने कभी राशन नहीं लिया है। इसके बाद उनकी जांच कर रद्दीकरण की कार्रवाई शुरू की गई है।